9

गैर–व्यापारिक संस्थाओं तथा पेशेवर व्यक्तियों के लेखे
Accounting for Non-Trading Organisations and Professional Persons

अध्ययन उद्देश्य

इस अध्याय के अध्यापन के बाद आप यह समझने योग्य हो जाते हैं।

- गैर– व्यापारिक संस्थाओं का अर्थ एवं उनके द्वारा प्रयुक्त लेखा पुस्तकों के बारे में जान पाएँगे।
- गैर– व्यापारिक संस्थाओं के लेखांकन में प्रयुक्त विशिष्ट मदों की जानकारी एवं उनका लेखांकन व्यवहार समझ सकेंगे।
- प्राप्ति व भुगतान खाता तैयार करने की विधि समझ सकेंगे।
- आय–व्यय खाता तैयार करने की विधि समझ सकेंगे।
- गैर– व्यापारिक संस्थाओं का चिठ्ठा तैयार करना, समझ जाएंगे।
- आय–व्यय खाते से प्राप्ति व भुगतान खाता बनाना सीख जाएंगे।
- प्राप्ति व भुगतान खाते व आय–व्यय खाते से प्रारंभिक व अंतिम चिठ्ठा बनाना जान पाएंगे।
- प्राप्ति व भुगतान खाता एवं आय–व्यय खाते में अन्तर समझ सकेंगे।

व्यावसायिक संस्थाएं लाभ कमाने के उद्देश्य से स्थापित की जाती हैं। इनमें उत्पादन संस्थाएँ, निर्मित माल के क्रय विक्रय करने वाली थोक व फुटकर संस्थाएं व सेवा प्रदाता शामिल हैं। परन्तु दूसरी ओर कई संस्थान ऐसे होते हैं जो लाभ कमाने के उद्देश्य से नहीं बल्कि समाज सेवा व जन सेवा कार्य के उद्देश्य के लिए स्थापित की जाती हैं। जिसमें साहित्यिक संस्थाएं, खेलकूद क्लब, अस्पताल, शिक्षण संस्थाएं, कला व सांस्कृतिक के उत्थान के लिए बनाई गई संस्थाएं, कामगार यूनियन, सामाजिक कल्याणकारी कार्य करने वाली संस्थाएं शामिल होती हैं। इन्हें अपने सेवा कार्यों से लाभ /हानि उत्पन्न होती हैं। इन संस्थाओं की कार्य प्रकृति भिन्न होने के कारण इनके हिसाब किताब रखने की पृथक विधि है, इसे ही गैर व्यावसायिक संस्थाओं के लेखे कहा जाता हैं।

इनके अतिरिक्त वर्तमान में पेशेवर व्यक्ति भी समाज का महत्वपूर्ण अंग होते हैं। जिनमें चिकित्सक, अभिभाषक, सनद्–, लेखापाल, आर्किटेक्ट, आते हैं। ये वस्तुओं का क्रय विक्रय का कार्य न कर अपनी बौद्धिक व पेशेवर योग्यताओं के कारण धनोपार्जन करते हैं। इन व्यक्तियों द्वारा किये गये व्यवहारों की भी पृथक प्रवृति होती हैं अतः इन व्यक्तियों द्वारा रखे गये हिसाब किताब को पेशेवर व्यक्तियों के लेखे कहा गया हैं।

1. गैर व्यापारिक संस्थाओं की विशेषताएं: (Characteristics of Non-Trading Organisations)

1. पृथक कानूनी अभिव्यक्ति **2.** सेवा भावना **3.** कल्याण कारी कार्यों से कुशलता जांच 4. कोष स्त्रोत–सामान्यतया सदस्यों, सरकार व अन्य स्त्रोतों से प्राप्त धन से कोष उत्पन्न होते हैं। **5.** कोषों का पुनर्निवेश– ये संस्थाएं अपनी आय को पुनः कल्याणकारी कार्यों के लिए ही उपयोग करते हैं। सदस्यों में वितरित नहीं करते हैं। **6.** चुने हुए व्यक्तियों द्वारा प्रबंध

आवश्यकता (Need)

इन संस्थाओं के लेखे रखने की आवश्यकता निम्नांकित कारणों से अनुभव होती है।

(1) सामान्यतया ये संस्थाएं लाभ कमाने के उद्देश्य से स्थापित नहीं होती हैं फिर भी इनके द्वारा प्राप्त कोषों व व्ययों में अन्तर के कारण बचत (Surplus) न्यूनता (Deficiency) उत्पन्न होती हैं इसकी जानकारी संस्था के सदस्यों के लिए आवश्यक हैं।

(2) प्रतिदिन के संस्था के लेनदेनों को पुस्तकों में लिखने से उसकी तरल स्थिति ज्ञात होती है तथा उद्देश्यों की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता हेतु समय पर व्यवस्था की जा सकती हैं।

(3) इन संस्थाओ के लेखों रखने में इन्हें अपनी सम्पत्तियों व दायित्वों का बोध होता हैं जिससे वे इन्हें पूँजी कोष की जानकारी मिलती रहती है एवं कोष में कमी होने पर सुधारात्मक उपाय कर सकते हैं।

व्यापारिक संस्थाओं व गैर– व्यापारिक संस्थाओं में अन्तर
Difference Between Commercial organizations & Non-Commercial Organizations

अन्तर का कारण	व्यापारिक संस्थाएँ	गैर व्यापारिक संस्थाएँ
1. मूल उद्देश्य	लाभ कमाना होता है।	सेवा व कल्याणकारी कार्य होता है।
2. स्वामित्व	पूँजी लगाने वाले व्यक्तियों का होता है।	पूंजी कोष में धन लगाने वाले व्यक्ति जो सामान्यतया Subscriber कहलाते है।
3. आर्थिक स्थिति चित्रण	इन संस्थाओं के लिए व्यापार खाता, लाभ–हानि खाता व चिट्ठा बनाया जाता है।	इन संस्थाओं के प्राप्ति भुगतान खाता आय–व्यय खाता व चिट्ठा बनाया जाता है।
4. प्रतिफल हानि	क्रियाकलापों का प्रतिफल लाभ/हानि के रूप में होता है।	इनका प्रतिफल बचत/न्यूनता कहलाता है।
5. आधिक्य कोष	आय का व्यय पर आधिक्य सदस्यों में वितरित होता है।	यह राशि संस्था की कल्याणकारी योजनाओं में पुनर्निवेश होती हैं।
6. कोष प्राप्ति	स्वामियों द्वारा लगायी गई पूँजी से होता है।	सदस्यों द्वारा व बाहरी व्यक्यिों द्वारा दिये गए चन्दे, फीस, शुल्क, दान आदि से होती है।

गैर–व्यापारिक संस्थाओं द्वारा प्रयुक्त पुस्तकें
Books kept by Non-Trading Organisations

इन संस्थाओं द्वारा मूलभूत सूचनाओं की जानकारी हेतु निम्नांकित पुस्तकें रखी जाती है:

1. रोकड बही (Cash Book) इन संस्थाओं द्वारा अपने हिसाब किताब रखने की मूल व महत्त्वपूर्ण पुस्तक हैं जिससे ये संस्थाएं अपने प्रतिदिन के रोकड़ व्यवहारों का लेखा करती है तथा अपनी तरल स्थिति का निरूपण करती हैं इन संस्थाओं की रोकड बही का प्रारूप व्यापारिक संस्थाओं से भिन्न होता है क्योंकि इनके द्वारा राशि का कॉलम एक न रखकर आय/व्यय की विभिन्न मदों के अनुसार पृथक–पृथक रखा जाता है। इस प्रकार प्रत्येक मद का पृथक पृथक विश्लेषण सुगम हो जाता है इस प्रारुप को आगे प्राप्ति व भुगतान खाता बनाते समय दिखाया गया है।

2. स्टॉक रजिस्टर (Stock Register): गैर–व्यापारिक संस्थाओं द्वारा अपनी भौतिक सम्पतियों व दीर्घकालिक उपयोगी सामग्री को एक रजिस्टर में दिखाया जाता है जिसमें इन वस्तुओं की क्रय तिथि, मात्रा, विशिष्ठ सूचना, मूल्य व दर लिखी होती है। यदि ऐसी वस्तुएं कम है तो एक ही रजिस्टर रखा जाता है तथा यदि बहुत अधिक वस्तुएँ हो तो प्रत्येक प्रकार की सामग्री का पृथक–2 रजिस्टर रखा जाता है जैसे खेलकूद सामग्री, फर्नीचर, पुस्तकें, यंत्र व औजार आदि के लिए पृथक–2 रजिस्टर रखने से सुगमता एवं सत्यापन में सुलभता रहती हैं।

3. सदस्यता रजिस्टर (Membership Register): इन संस्थाओं के नियमित सदस्य होते हैं, इन सदस्यों का लेखा एक पृथक रजिस्टर में रखा जाता है जिससें सदस्यों के सम्बन्ध में पूर्ण जानकारी यथा नाम, पता, टेलीफोन नम्बर, मेल आई डी, सदस्यता शुल्क आदि की विगत लिखी जाती है। इसी में सदस्यों के पृथक होने की सूचना आदि का उल्लेख भी रहता है। वार्षिक सदस्यता/चन्दे की सूचना भी अंकित रहती है।

गैर–व्यापारिक संस्थाओं के वित्तीय विवरण
(Financial Statements Of Non-Trading Organisations)

वैसे तो इन संस्थाओं के लिए लाभ कमाने के उद्देश्य की पूर्ति हेतु की जाने वाली आर्थिक व अन्य क्रियाओं का लेखा–जोखा रखना जरूरी होता है। ये संस्थाएं अपने आकार के आधार पर इकहरी या दोहरी प्रविष्टी प्रणाली अपना सकती है। इन दशाओं में इनके द्वारा निम्नांकित तीन तरह के विवरण पत्र बनाये जाते हैं :–

1. प्राप्ति व भुगतान खाता 2. आय–व्यय खाता 3. चिट्ठा

उपरोक्त सभी विवरण पत्रों के अध्ययन से पूर्व इन संस्थाओं में लेखांकन की विशिष्ट मदों का अध्ययन आवश्यक है।

विशिष्ट मदें (Special Items)

अध्ययन की सुविधा की दृष्टि से इन्हें चार भागों में बाँटा गया है:–

(अ) पूर्णतया आयगत प्रकृति की मदें (ब) पूर्णतया पूँजीगत प्रकृति की मदें (स) परिस्थितियों के अनुसार निर्धारित पूँजीगत/ आयगत मदें मानी जा सकती है। (द) प्रारम्भिक पूँजी कोष ज्ञात करना

(अ) पूर्णतया आयगत प्रकृति की मदें: ऐसे व्यवहार जिसका लाभ एक वित्तीय वर्ष से ही सम्बन्धित होता है इन्हें आवर्तक प्रकृति की मदें भी कहते हैं :–

(1) चन्दा (Subscription) : इन संस्थाओं का यह प्रमुख आय का साधन है। लेखांकन अवधारणा के अनुसार चालू वर्ष में उसी वर्ष की आय का लेखा किया जाना चाहिये अतः निम्नाकित प्रारूप के सहारे इसकी गणना कर सकते है:–

Calculation of Current Year Subscription

Particulars	Amount ₹
वर्ष के दौरान प्राप्त चन्दा (जैसा कि प्राप्ति व भुगतान खाते में दिखाया गया)	-------
जोडियेः चालू वर्ष का बकाया चन्दा पिछले वर्ष के अन्त में प्राप्त अग्रिम चन्दा (जो चालू वर्ष से सम्बन्धित है)	-------
घटाइयें: पिछले वर्ष का बकाया चन्दा जो इस वर्ष प्राप्त हुआ आगामी वर्ष का चन्दा जो अग्रिम प्राप्त हुआ	-------
आय–व्यय खाते के जमा पक्ष में दिखाई जाने वाली राशि	-------

उपरोक्त व्यवहारों को चालू वर्ष के चिठ्ठे में निम्नानुसार दिखाया जायेगा।

Balance Sheet (Current Year)			
Liabilities	**Amount ₹**	**Assets**	**Amount ₹**
Advance subscription (Received during current Year)	-------	Out Standing Subscription Current Year - ------ Previous Year - ------	-------

उपरोक्त गणनाओं के निम्नांकित उदाहरण से समझेंगेः

उदाहरण 1: 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के आय–व्यय खाते व चिठ्ठे में निम्नांकित चन्दे को मद को किस प्रकार दिखाया जायेगा।

	31-03-16	31-03-17
सम्बन्धित वर्ष का बकाया चन्दा	₹ 12,000	₹ 10,000
सम्बन्धित वर्ष का अग्रिम चन्दा	₹ 1,100	₹ 2,500

वर्ष के दौरान ₹ 162500 चन्दे के प्राप्त हुए हैं जिससे पिछले वर्ष के बकाया चन्दे के प्राप्त ₹ 5,000 शामिल हैं।

हलः

Income of Expenditure Account
For the year Ending 31-03-17 (an Extract)

Expenditure	Amount ₹	Income	Amount ₹
		By Subscription (as per writing note)	1,66,100

Balance Sheet
As On 31st March, 2017 (An Extract)

Expenditure	Amount ₹	Income	Amount ₹
Advance Subscription	2,500	Outstanding Subscription Current year 10,000 Previous Year 7,000	17,000

कार्यशील टिप्पणीः चन्दे की चालू वर्ष से सम्बन्धित प्राप्त राशि की गणना

	₹
चालू वर्ष से प्राप्त चन्दा	1,62,500
जोडियेः चालू वर्ष का बकाया चन्दा	10,000
	1,72,500
घटाइये पिछले वर्ष का प्राप्त बकाया गया चन्दा	5,000
	1,67,500
जोडियेः पिछले वर्ष प्राप्त अग्रिम चन्दा	1,100
	1,68,600
घटाइयेंः चालू वर्ष में प्राप्त अग्रिम चन्दा	25,000
	1,66,100

उदाहरण 2: निम्नांकित सूचनाओं से चन्दे की राशि 31-3-17 को बनाये जाने वाले आय–व्यय खाता व चिठ्ठे में किस प्रकार दिखायेंगेः–

Expenditure		Amount ₹	Income	Amount ₹
Advance Subscription				
2015-16	15,000			
2016-17	2,00,000			
2017-18	10,000	2,25,000		

संस्था में 1800 सदस्य है जिससे ₹ 150 वार्षिक चन्दा लिया जाता है। 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष का बकाया चन्दा ₹ 2000 था।

हलः

Income & Expenditure Account
For the Year ending 31-03-17

Expenditure	Amount ₹	Income ₹	Amount ₹
		By Subscription 2,00,000 + Out Standing C.Y. 70,000	2,70,000

Balance Sheet As on 31st March, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets ₹	Amount ₹
Advance Subscription	10,000	Outstanding Subscription 2015-16 6,000 2016-17 70,000	76,000

नोटः 1. चालू वर्ष का बकाया चन्दा इस प्रकार ज्ञात कियाः

	₹
चालू वर्ष का प्राप्त होने योग्य चन्दा (1800x150)	2,70,000
घटाइये–चन्दे की चालू वर्ष की प्राप्त राशि	2,00,000
	70,000

2. वर्ष 2015–16 का बकाया चन्दा जो इस वर्ष प्राप्त नहीं हुआ

बकाया चन्दा 2015–16	21,000
घटाइये–चालू वर्ष में 2015–16 का प्राप्त चन्दा	15,000
	6,000

2 उपभोग योग्य वस्तुएँ(Consumable Stores):सामान्यतया संस्थाओं द्वारा बहुत सी उपभोग योग्य वस्तुएँ क्रय की जाती हैं जिनका स्टॉक भी शेष रहता है तथा इनके क्रय भुगतान की राशियां भी वर्ष से अन्त में बकाया रहती हैं। कई बार इन्हें क्रय से अग्रिम भुगतान भी किया जाता है। अतः आय व्यय खातें को इस व्यय को वर्ष के दौरान वास्तविक उपभोग सामग्री मूल्य पर दिखाया जाता है इसकी गणना निम्नानुसार की जा सकती हैं :–

वर्ष के दौरान उपभोग योग्य सामग्री के मूल्य की गणना

Particulars	Amount ₹
वर्ष के दौरान किये गये भुगतान (प्राप्ति व भुगतान खाते में दिखाए अनुसार)	————
जोड़िएः उक्त सामग्री का प्रारम्भ स्टॉक यह मानते हुए कि पहले इसका उपभोग किया	————
घटाइएः उक्त सामग्री का अन्तिम स्टॉक	————
जोड़िएः चालू वर्ष के अन्त में क्रय का बकाया भुगतान	————
घटाइएंः चालू वर्ष के प्रारम्भ में क्रय के लिये बकाया भुगतान राशि	————
जोड़िएः पिछले वर्ष में उक्त सामग्री क्रय के लिए अग्रिम भुगतान (यह मानते हुए कि उक्त सामग्री इस वर्ष उपभोग की गई)	————
घटाइएः चालू वर्ष में आगामी वर्ष क्रय है अग्रिम भुगतान	————
आय व्यय खाते के नामें में दिखाई जाने वाली राशि	————

Balance Sheet (Current Year)

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors at the end of current year	——	Closing Stock Advance payment during the year	—— ——

उदाहरणः 3 निम्नांकित सूचनाओं से 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के आय व्यय खाते व चिठ्ठे में स्टेशनरी व्यय की राशि किस प्रकार दिखाई जायेगीः From the following informations, how expenses on stationary will be shown in Income & Expenditure Account for the year ending 31 March, 2017, & Balance Sheet on that date.

	₹
स्टेशनरी का 1-4-2016 को प्रारम्भिक स्टॉक Stock of stationary on 1-4-2016	5,000
स्टेशनरी के लेनदार 1-4-16 को Creditors for stationary on 1-4-16	2,000
स्टेशनरी के लिए अग्रिम 31-03-16 को Advance paid for stationary on 31-03-16	1,000
वर्ष 2016-17 के दौरान स्टेशनरी के लिए भुगतान Amount Paid for stationary during the year 2016-17	25,000
31-03-17 को स्टेशनरी का स्टॉक Stock of stationary on 31-03-17	3,000

31-03-17 को स्टेशनरी के लेनदार Creditors for stationary on 31-03-17 1,200

31-03-17 को स्टेशनरी के लिए अग्रिम Advance paid for stationary on 31-03-17 13,000

हल: वर्ष के दौरान उपभोग की गई स्टेशनरी की राशि की गणना

Particulars	Amount ₹
चालू वर्ष में भुगतान की गई राशि	25,000
जोडिए: प्रारम्भिक स्टॉक	5,000
प्रारम्भिक अग्रिम भुगतान	1,000
चालू वर्ष के अन्त में बकाया भुगतान	1,200
	32,200
घटाइए: चालू वर्ष के प्रारम्भ में बकाया भुगतान	2,000
चालू वर्ष के अन्त में अग्रिम भुगतान	1,300
अन्तिम स्टॉक	3,000
आय व्यय खाते के नामे पक्ष में स्टेशनरी की दिखाई जाने वाली राशि	25,900

Balance Sheet (An Extract)
As on 31-03-17

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors at the end	1,200	Closing Stock	3,000
		Advance paid during the current year	1,300

3. उपभोग योग्य सामग्री से प्राप्ति: कई बार इन संस्थाओं को उपभोग योग्य सामग्री के विक्रय से कुछ राशि प्राप्त होती हैं तो इन राशियों को आयगत प्राप्ति मानकर आय–व्यय खाते के जमा पक्ष में दिखाया जाता हैं।

4. अवशेष सामग्री की बिक्री से प्राप्त राशि: इन संस्थाओं के पास उपभोग के बाद बची अवशेष सामग्री के विक्रय से प्राप्त राशि आयगत मानते हुए आय–व्यय खाते के जमा पक्ष में दिखायेंगे। जैसे पुराने पेकिंग सामग्री, बोतल, घास आदि का विक्रय।

5.समाचार पत्र–पत्रिकाओं का क्रय–विक्रय: इनके क्रय की राशि आयगत व्यय मानते हुए आय–व्यय खाते के नामे पक्ष में दिखाते हैं तथा पुराने अखबार व पत्रिकाओं की बिक्री से प्राप्त राशि आयगत आय मानते हुए आय–व्यय खाते के जमा पक्ष में दिखाते हैं।

6. पुरानी खेल सामग्री का विक्रय: मनोरंजन क्लब व खेलकूद क्लब द्वारा पुरानी खेल सामग्री विक्रय से प्राप्त राशि को आयगत आय मानते हुए आय व्यय खाते के जमा पक्ष में दिखाया जाता है।

7. मानदेय (Honorarium) : संस्था में नियमित कार्यों के अतिरिक्त विशिष्ट कार्य कराने हेतु विभिन्न बाहरी व्यक्तियों को किये गये अतिरिक्त भुगतान को आयगत क्रय मानते हुए आय व्यय खाते के नामे पक्ष में दिखाया जाता है।

8. स्थायी सम्पतियों के क्रय–विक्रय से लाभ/हानि: इन संस्थाओं के पास उपलब्ध स्थायी सम्पतियों के विक्रय से प्राप्त राशि जो पुस्तक मूल्य से अधिक हैं तो अधिक राशि आयगत आय मानी जाती है यदि विक्रय पुस्तक मूल्य से कम है तो अन्तर की राशि आयगत व्यय मानी जाती है तथा उक्त राशियाँ आय व्यय खाते में दिखाते हैं। विक्रय से प्राप्त राशि पूँजीगत प्राप्ति है इसे आय व्यय खाते में नहीं दिखाया जाता है किन्तु इसका पुस्तक का मूल्य सम्पति के मूल्य में से चिठ्ठे में घटा कर दिखाते है। विक्रय से प्राप्त सम्पूर्ण राशि प्राप्ति व भुगतान खाते में प्राप्ति पक्ष में दिखाते हैं।

Income & Expenditure Account

Expenditure	Amount ₹	Income	Amount ₹
To Loss on Sale of Fixed Assets		By Profit on Sale of Fixed Assets	

Balance Sheet

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
		Assets --	
		(-) Book value of assets sold --	--

9. अन्य आयगत आय व व्यय: विभिन्न सामान्य प्राप्तियों जो उस वर्ष से सम्बन्धित है यथा ब्याज व लाभांश की प्राप्त राशि, मनोरंजन से प्राप्त राशि, टिकट विक्रय से प्राप्तियाँ आय व्यय खाते के जमा पक्ष में दिखाई जानी हैं जबकि उस वर्ष से सम्बन्धित सामान्य व्यय जैसे टेलीफोन, बिल, मजदूरी, बिजली बिल, बीमा व्यय, कार्यालय व्यय, वेतन, मूल्य ह्रास, स्टेशनरी आदि व्यय आय–व्यय खाते के नामे पक्ष में दिखाये जाते है। प्राप्ति व भुगतान खाते में सम्बन्धित वर्ष में प्राप्त समस्त राशियां

(चाहे वे किसी भी वर्ष की हैं) प्राप्तियों में तथा सम्बन्धित वर्ष के समस्त भुगतान (चाहे वे किसी भी वर्ष की हैं) भुगतान पक्ष में दिखाते है।

(ब) पूर्णतया पूंजीगत प्रकृति की मदें : ऐसे व्यवहार जिनका लाभ एक से अधिक वर्षों तक मिलेगा तथा उन्हें पूँजीगत प्रकृति की मदें कहा जाता है ये गैर आवर्तक मदें होती हैं।

1.वसीयत में प्राप्ति (Legacies): किसी व्यक्ति द्वारा लिखी गई वसीयत के कारण कोई राशि प्राप्त होती है तो इसे आय व्यय खाते में नहीं दिखाया जाता है बल्कि चिठ्ठे में पूँजी कोष में जोड़कर दिखाया जायेगा। प्राप्ति व भुगतान खाते में प्राप्ति में दिखाया जायेगा।

यदि उक्त प्राप्ति किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए हुई है तो उसे चिठ्ठे में पूँजी कोष में न दिखकर विशिष्ट कोष के रूप में दायित्व पक्ष में दिखाया जायेगा।

2. आजीवन वार्षिक सदस्यता शुल्क : यह एक बार प्राप्त होने वाली पूँजीगत प्राप्ति है इसे चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में पूंजी कोष में जोड़कर अथवा पृथक से आजीवन सदस्यता खाता के रूप में दिखाया जायेगा।

3. स्थायी सम्पति का क्रय–विक्रय: यह एक पूँजीगत मद है अतः क्रय राशि को केवल चिठ्ठे के सम्पति पक्ष में सम्बन्धित सम्पति के मूल्य में जोडेंगे। यदि उक्त सम्पति पूर्व में नहीं है तो इसे पृथक से सम्पति पक्ष में दिखा देगें। विक्रय की दशा में उक्त सम्पति के पुस्तक मूल्य के बराबर राशि उक्त सम्पति के मूल्य में घटा देंगे। सम्बन्धित सम्पति का चालू वर्ष का मूल्य ह्रास सम्पति पक्ष में सम्पति के मूल्य में से घटा देंगें। मूल्य ह्रास की राशि आय–व्यय खाते के नामे पक्ष में दिखा देंगे।

उदाहरण 4:– निम्नांकित सूचनाओं से फर्नीचर से सम्बन्धित राशि दिनांक 31.3.2017 के आय–व्यय खाते व उस तिथि के चिठ्ठे में किस प्रकार दिखायेंगे। वर्ष के प्रारम्भ में फर्नीचर ₹ 1,00,000, वर्ष के दौरान 31.12. 2016 को ₹ 20,000 के प्रारम्भिक पुस्तक मूल्य का फर्नीचर ₹ 18,000 में बेचा। 1.10.16 को ₹ 25,000 का नया फर्नीचर खरीदा। फर्नीचर पर 10% वार्षिक दर से मूल्य ह्रास लगाया जाता है।

From the following informations, how the information related to furniture will be shown in Income and Expenditure Account for the year ending 31st March, 2017 and the Balance-Sheet On that date: Opening Balance of furniture ₹ 10,000, during the year on 31-12-16 ₹ 20,000 book value (opening) of furniture was sold for ₹ 18,000, new furniture was purchased on 1-10-16. Depreciate furniture @10% p.a..

Income & Expenditure Account (31-3-17)

Expenditure	Amount ₹	Income	Amount ₹
To Depreciation	10,750		
To loss on sale of furniture (20,000-1,500-18,000)	500		

Balance Sheet (as on 31-3-17)

Liabilities	Amount ₹	Assets		Amount ₹
		Furniture	1,00,000	
		(+) purchase of furniture	25,000	
		(-) Sale of furniture	18,500	
		(B.V. On date of sale)		
		(-) Depreciation		
		80,000 x 10% = 8,000		
		20,000x10% x 9/12 = 1,500		
		25,000x10%x6/12 = 1,250	1,075	95,750

प्राप्ति व भुगतान खाते की दशा में केवल विक्रय व क्रय मूल्य क्रमशः प्राप्ति व भुगतान पक्ष में दिखायेगें।

(4) कोष (Funds): विभिन्न प्रकार के कोषों का लेखांकन, व्यवहार निम्नानुसार होगा:

(1) सामान्य/गैर प्रतिबन्धित कोष: ऐसे कोषों को पूंजी कोष में जोडकर चिठ्ठे में दिखाया जाता है।

(2) विशिष्ट/प्रतिबन्धित कोष: कोष प्रदाता कभी–2 विशिष्ट उद्देश्य पूर्ति हेतु दान देता है तो ऐसी दशा में उसे पृथक चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाया जायेगा जैसे विशिष्ट पारितोषिक कोष, खेलकूद कोष, इस विशिष्ट कार्य के व्यय इसमें से घटा देते हैं तथा प्राप्त दान इसमें जोड देते हैं।

(3) स्थायी सम्पति कोष: किसी विशिष्ठ सम्पति को क्रय करने के लिये बनाये गये कोष की राशि चिठ्ठे के पक्ष में उसी उद्देश्य की प्राप्ति हेतु व्यय के लिए दिखाई जाती है।

(4) अक्षयनिधि कोष (Endowment fund) : किसी विशिष्ठ व्यय की पूर्ति हेतु दिये गये उपहार जिसकी मूल राशि का उपयोग कभी नहीं किया जा सकता केवल उनके विनियोग से प्राप्त राशि का ही उपयोग कर सकते है। ऐसी राशि पूंजीगत प्राप्ति चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाई हैं अतः इस प्रकार उक्त कोष का शेष यदि ऋणात्मक होता है तो आय व्यय खाते के नामे पक्ष में दिखा देगें। धनात्मक होने चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में ही दिखायेंगे।

(5) वार्षिकी कोष (Annuity Fund): कभी दानदाता किसी संस्था को एक निश्चित राशि इस शर्त के साथ देता है कि वह संस्था एक निश्चित राशि प्रतिवर्ष उसके द्वारा बताये गये व्यक्ति को निर्धारित समय परिस्थिति तक भुगतान करेगी ऐसी दशा में उक्त राशि चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाई जायेगी तथा निर्धारित समय/परिस्थिति पूरी होने पर यह राशि उस संस्था की सम्पति हो जायेगी तथा उपहार संलेख अनुसार उसका उपभोग किया जायेगा।

उदाहरण 5 : निम्नांकित सूचनाओं से खेल कोष से सम्बन्धित राशि वर्ष के अन्त में चिठ्ठे में किस प्रकार दिखायेंगे :–

From the following, how games fund informations will be shown in the balance sheet at the end. ₹

प्रारम्भिक खेल कोष (Games Fund)	2,00,000
वर्ष के खेल व्यय (Games Expenditure)	20,000
खेल हेतु प्रारम्भिक खेल कोष विनियोग (Opening balance of Games Fund Investment)	1,50,000
खेल हेतु वर्ष में प्राप्त दान (Donation for sale of games ticket)	3,000
खेल के टिकट विक्रय से प्राप्ति (Received from sale of games ticket)	10,000
खेल कोष विनियोग पर 10% वार्षिक दर से ब्याज प्राप्त हुआ (Interest received on games fund investment 10% p.a.)	

हल:

Balance Sheet

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Games fund	2,00,000		Games Fund Investment	1,50,000
(+) Int. on. Investment	15,000			
(+) Donation	3,000			
(+) Sale of Tickets	10,000			
	2,28,000			
(-) Expenditure	20,000	2,08,000		

(स) परिस्थितियों के अनुसार निर्धारित पूंजीगत आयगत मदें :– कुछ आय व्यय परिस्थितियों के अनुसार आयगत व पूंजीगत माने जाते है। जिनमें प्रमुख इस प्रकार है:–

(1) दान (Donation) इन संस्थाओं के लिए यह एक सामान्य प्राप्ति है। यह दो प्रकार की हो सकती है:–

(अ) सामान्य दान : बिना किसी निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति के लिए दिये गये दान इस श्रेणी में आते है। सामान्यतः बहुत कम राशि होने पर इन्हें सीधे आय– व्यय खाते में ले जाया जाता है। किन्तु बडी राशि होने पर इसे पूंजीगत प्राप्ति मानते हुए चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में पूँजी कोष में जोड सकते हैं। जैसे ₹ 200 का दान प्राप्त हुआ तो यह आयगत प्राप्ति होगी। पूंजीगत मानने का निर्णय संस्था पर निर्भर करता है।

(ब) विशिष्ठ दान : किसी विशिष्ठ उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्राप्त दान पूँजीगत प्राप्ति होंगे तथा चिठ्ठे में दायित्व पक्ष में इसे दिखाया जायेगा तथा सम्बन्धित उद्देश्य पूर्ति के व्यय उसी में से घटा दिये जायेंगे। प्राप्ति व भुगतान खाते की दशा में सभी प्राप्त राशि प्राप्ति पक्ष में ही दिखायेंगे।

(2) प्रवेश शुल्क (Entrance/Admission Fees) : यह राशि गैर आवर्तक आय तक होने के कारण पूँजी कोष में जोड़ कर चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में दिखायेंगे। किन्तु कुछ विद्वान इसे नियमित साधन मानते हुए आयगत आय मानते हैं। सीबीएसई ने भी यही निर्देश दिये है कि इसे आयगत माना जाये परन्तु यदि प्रश्न में इसके विपरीत कोई सूचना हो तो तदनुसार दिखाया जायेगा। जैसे प्रश्न में यह कहा गया हो कि प्रवेश शुल्क का 50% पूँजीकृत करनाा है तो प्राप्त राशि का 50% चिठ्ठे में पूँजी कोष में जोडेंगे तथा शेष को आय–व्यय खाते में आय पक्ष में दिखायेंगे।

(3) सहायता (Grants): सरकार या अन्य संस्थाओं द्वारा यदि गैर व्यापारिक संस्था को कोई सहायता राशि दी जाती है तो सामान्य उद्देश्य पूर्ति के लिए प्राप्त होने पर आयगत मानते हुए आय व्यय खाते के जमा पक्ष में दिखायेंगे जैसे नगद सहायता नवीनीकरण हेतु प्राप्त सहायता/विशिष्ट कार्य हेतु यह सहायता मिली है तो पूँजीगत प्राप्ति मानते हुए चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में सम्बन्धित कोष के नाम से दिखा देंगे। जैसे सरकार द्वारा भवन बनाने हेतु दी गई राशि को चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में भवन कोष के रूप में दिखाया जायेगा। सम्बन्धित कार्य पूर्ण होने पर उसे पूँजी कोष में स्थानान्तरित कर देगें तथा वह भवन सम्पत्ति पक्ष में दिखायेंगे। प्राप्ति व भुगतान खाते में प्राप्ति पक्ष में दिखायेंगे चाहे सहायता आयगत हो या पूँजीगत।

(4) प्रारम्भिक पूंजी कोष ज्ञात करना (Calculation of Opening Capital Fund): प्रत्येक संस्था को निरन्तर चालू रखने के लिए कोष की आवश्यकता होती है। जिस प्रकार व्यापारिक संस्थाओं में इसे पूंजी के नाम से जाना जाता है जबकि गैर–व्यापारिक संस्थाओं में इसे पूंजी कोष के नाम से जाना जाता है। प्रतिवर्ष क्रियाकलापों से होने वाले आधिक्य को इसमें जोड देते है तथा न्यूनता को इसमें से घटा देते है। जब कभी अन्तिम चिठ्ठा बनाना हो तो हमें सदैव प्रारम्भिक पूंजी कोष की आवश्यकता होती है जो कभी– कभी प्रश्न में उपलब्ध नहीं होती हैं तो ऐसी दशा में प्रारम्भिक चिठ्ठा बनाकर इसकी गणना कर सकते है। प्रारम्भिक पूँजी कोष की गणना हेतु निम्नांकित प्रक्रिया अपनायेंगे :–

(क) चिठ्ठे के सम्पति पक्ष की मदों की गणनाः

(i) प्राप्ति व भुगतान खाते के प्रारम्भिक रोकड शेष को सम्पति पक्ष में दिखायेंगे। **(ii)** चालू वर्ष के प्रारम्भ में सम्पतियों का मूल्य सम्पति पक्ष में दिखायेंगे। वर्ष के दौरान क्रय सम्पतियों का मूल्य नहीं लेगें। **(iii)** पिछले वर्ष किये गये अग्रिम भुगतान दिखाये जायेंगे। **(iv)** पिछले वर्ष के अन्त में बकाया आय दिखाई जायेगी। **(v)** उपभोग योग्य सामग्री का पिछले वर्ष के अन्त में स्टॉक दिखायेंगे।

(ख) चिट्ठे के दायित्व पक्ष की मदों की गणनाः

(i) पिछले वर्ष के अन्त में प्राप्त अग्रिम आय दिखाई जायेगी। **(ii)** पिछले वर्ष के अन्त में बकाया व्यय दिखाये जायेंगे। **(iii)** उपभोग योग्य सामग्री की पिछले वर्ष के अन्त में देय राशि या अन्य कोई देय राशि **(iv)** पिछले वर्ष के अन्त में विशिष्ट कोषों का शेष।

(ग) अब उपरोक्त **(क)** राशि में से **(ख)** राशि घटाने पर अन्तर की राशि दायित्व पक्ष में 'पूँजी कोष' का शेष होगा। इस राशि को चालू वर्ष के अन्तिम में चिठ्ठे में दायित्व पक्ष में दिखाया जायेगा।

Format of opening Balance Sheet

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
-Outstanding Expenses (at the end of last year) -Income recd. in Advance (at the end of last year) -Creditors (at the end of last year) -Specific funds (at the end of last year) -Capital Fund (B/F)		-Cash (Op. Balance of Receipt & Payment Account) -Outstanding Incomes at the end of last year -Prepaid Expenses (Made Last year) -Opening Stock of consumable goods -Assets (At the end of last yr.)	

प्राप्ति एवं भुगतान खाता
(Receipts And Payments Account)

किसी वित्तीय वर्ष के अन्त में रोकड़ बही की सहायता से वर्ष के दौरान विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्तियों व भुगतानों की मदों के आधार पर बनाया जाता है। प्राप्तियों व भुगतानों की वर्ष के दौरान विभिन्न तिथियों की प्रविष्टियों को एकजाई कर प्रत्येक मद के योग को इसमें दिखाया जाता है। जैसे वर्ष के दौरान विभिन्न तिथियों को 10 बार किराया चुकाया गया तो सभी राशियों का योग करके प्राप्ति व भुगतान खाते के भुगतान पक्ष में दिखाया जायेगा। गैर व्यापारिक संस्थान वर्ष के प्रारम्भ से ही रोकड़ बही में आवश्यक स्तम्भ बनाकर प्राप्तियों व भुगतानों का मदानुसार विश्लेषण करती है इस प्रकार की संस्थाएं इन विश्लेषण स्तम्भों की सहायता से प्राप्ति व भुगतान खाता सुलभता से तैयार कर लेती है। यह एक स्मरणार्थ खाता है तथा दोहरा लेखा पद्धति का अंग नहीं है।

प्राप्ति व भुगतान खाते की विशेषताएँः
(Characteristics Of Receipts & Payments Acount)

प्रमुख विशेषताएँ निम्नानुसार हैः–

1. यह रोकड़ बही का सारांश है यह एक खाते के आकार में बनाया जाता है जिसके बायें पक्ष में प्राप्तियां व दाहिने पक्ष में भुगतान दिखाये जाते है।

2. यह एक वस्तुगत खाते (Real Account) की प्रकृति का है।

3. निर्धारित अवधि के दौरान हुई समस्त प्राप्तियां व भुगतान दिखाये जाते है चाहे ये किसी भी अवधि से सम्बन्धित हो। अर्थात बकाया, का कोई समायोजन नहीं होता है बकाया आय, बकाया व्यय तथा किसी भी प्रकार की गैर रोकड मदें नहीं दिखाई जाती है, जैसे मूल्य ह्रास आदि।

4. प्राप्तियां व भुगतान चाहे आयगत हो या पूँजीगत प्रकृति के हो सभी को दिखाया जाता है।

5. रोकड व बैंक व्यवहारों में कोई अन्तर नहीं किया जाता है अर्थात दोनों व्यवहार दिखाये जाते हैं।

6. इसके प्रारम्भ में प्रारम्भिक रोकड व बैंक शेष (अथवा बैंक अधिविकर्ष) तथा अन्त में अन्तिम रोकड व बैंक शेष दिखाये जाते है। यथा चन्दा, सामान्य दान, वार्षिक शुल्क आदि।

प्राप्ति व भुगतान खाता तैयार करने की विधि (Procedure of Preparing Receipts & Payments Account)

इस खाते को तैयार करने की विधि निम्नानुसार है:–

1. इसके नामे पक्ष में रोकड व बैंक का प्रारम्भिक शेष दिखाया जाता है यदि बैंक का जमा शेष है (बैंक अधिविकर्ष) तो प्राप्ति व भुगतान खाते के जमा पक्ष में दिखायगें।
2. रोकड बही के नामे पक्ष की विभिन्न प्राप्तियों की मदों का मद–वार वार्षिक योग इसके नामे पक्ष में दिखाया जायेगा। यथा चन्दा, सामान्य दान, वार्षिक शुल्क आदि।
3. रोकड़ बही के जमा पक्ष में भुगतान की विभिन्न मदों का मद–वार वार्षिक योग प्राप्ति व भुगतान खाते के जमा पक्ष में दिखाया जायेगा। यथा किराया, वेतन, स्टेशनरी, बिजली व्यय, कार्यालय व्यय आदि।
4. अन्त में रोकड बही में रोकड़ व बैंक शेष प्राप्ति व भुगतान खाते के जमा पक्ष में दिखाये जायेगें यदि बैंक अधिविकर्ष है तो इसके नामें पक्ष में दिखाया जायेगा।

नोटः– 1. केवल रोकड़ व बैंक सम्बन्धी लेनदेन ही दिखाते हैं चाहे वे पूंजीगत प्रकृति के हो या आयगत प्रकृति के हो।
2. चालू वर्ष की सभी प्राप्तियों व भुगतानों का दिखाया जाता है चाहे वे किसी भी वर्ष से सम्बन्धित हो अर्थात चालू वर्ष की बकाया आय व बकाया व्यय नहीं दिखाये जाते हैं।

प्राप्ति व भुगतान खाते का प्रारूप
Receipts and Payments Account
for the year ended ----

Receipts	Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Balance b/d		By Balance b/d (Bank Overdraft)	-------
Cash in hand -------		By Wages & Salaries	-------
Cash at Bank -------	-------	By Rent, Rates & Taxes	-------
To Subscription	-------	By Insurance	-------
To Donations	-------	By Printing Stationary & Postage	-------
To Sale of scrap and other items & materials	-------	By Advertisement	-------
To Interest of Fixed Deposit	-------	By Telephone Expenses	-------
To Interst from Saving Bank Account	-------	By Honorarium	-------
To Proceeds from Sale of Tickets	-------	By Upkeep of ground	-------
To Grant- in- aid	-------	By Repairs & Renewals	-------
To Sale of Assets & Investments	-------	By Conveyance	-------
To Life Membership Fees	-------	By Audit Fees	-------
To legacies	-------	By Sports Expenses	-------
To Entrance Fees	-------	By Entertainment Expenses	-------
To Balance c/d	-------	By Fate Expenses	-------
(Bank Overdraft)	-------	By Purchase of Assets & Investments	-------
		By Deposits in F.D	-------
		By News Papers & Periodicals	-------
		By Balance c/d	
		Cash in hand -------	
		Cash at Bank -------	-------

बैंक की दोनों राशियों में से बैंक की एक राशि दिखाई जाती है।

प्राप्ति व भुगतान खाता व रोकड बही में अन्तर
(Difference Between Receipts and Payments Account and Cash Book)

आधार	प्राप्ति व भुगतान खाता	रोकड बही
1. आधार	यह रोकड बही से बनाया जाता है।	यह प्रत्येक प्राप्ति व भुगतान की मद व बैंक व्यवहारों से बनाया जाता है।
2. अवधि	वर्ष के अन्त में या किसी निश्चित तिथि को तैयार किया जाता है।	यह वर्ष पर्यन्त दैनिक आधार पर लिखा जाता है।
3. तिथि वार	व्यवहार तिथि वार नहीं लिखते हैं।	व्यवहार तिथि वार लिखते हैं।

4. पक्ष	इसके दो पक्षों में बायें पक्ष को प्राप्ति व दायें पक्ष को भुगतान कहते हैं।	इसके दो पक्षों में बायें पक्ष कों नामें व दायें पक्ष को जमा कहते हैं।
5. प्रकृति	यह स्मरणार्थ खाता है।	यह मुख्य पुस्तक है।
6. संस्थाएँ	यह गैर–व्यापारिक संस्थाएँ तैयार करती हैं।	यह गैर–व्यापारिक व व्यापारिक दोनों प्रकार की संस्थाएँ तैयार करती हैं।

उदाहरण 6 : निम्नांकित रोकड बही से सम्बन्धित अवधि का प्राप्ति व भुगतान खाता बनाइये।
From the Following Cash Book, prepare Receipts and Payments Account for that period.

Cash Book

			Analysis ₹				
Date	Particulars	Total ₹	Subscription	Donation	Fees	Legacies	Sale of old Materials
2016 Apr,-6	To Balance b/d	5,000					
2016 Apr,-5	To Fees	3,000			3,000		
2016 May,-2	To Subscription	6,000	6,000				
2016 May,-5	To Donations	7,000		7,000			
2016 Aug-6	To Subscription	2,500	2,500				
2016Aug-12	To Legacies	8,000				8,000	
2016 Sept-7	To Fees	2,000			2,000		
2016Sept-15	To Donations	10,000		10,000			
2016 Oct-10	To Subscription	9,000	9,000				
2016Nov-11	To Sale of old Material	1,000					1,000
2016Dec-20	To Legacies	2,500				2,500	
2017Jan-25	To Subscription	12,000	12,000				
2017Feb-10	To Subscription	3,500	3,500				
	Total	71,500	3,3000	17,000	5,000	10,500	1,000

Credit-side

			Analysis ₹				
Date		Total ₹	Salaries	Stationary	Rent	Sports Exp.	Sundries
2016 Apr- 3	By Salaries	3,000	3,000				
2016 Apr- 8	By Stationary	2,000		2,000			
2016 May-7	By Sports Exp.	4,000				4,000	
2016 May-15	By Rent	1,000			1,000		
2016 Jun- 6	By Sundries	1,500					1,500
2016 Jun -14	By Sundries	500					500
2016Jul -10	By Salaries	13,000	13,000				
2016Aug -10	By Rent	1,000			1,000		
2016Nov -16	By Sports Exp.	2,500				2,500	
2016Dec -18	By Salaries	12,500	12,500				
2017Jun- 20	By Sundries	3,500					3,500
2017 Feb-23	By Sundries	4,500					4,500
2017 Feb-28	By Stationary	2,500		2,500			
2016 Mar-31	By Balance c/d	20,000					
	Total	71,500	28,500	4,500	2,000	6,500	10,000

हलः

Receipts and Payments Account
For the year ended 31st March, 2017

Receipts	Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Balance b/d	5,000	By Salaries	28,500
To Subscription	33,000	Br Stationary	4,500
To Donations	17,000	By Rent	2,000
To Fees	5,000	By Sports materials	6,500
To legacies	10,500	By Sundries	10,000
To Sale of old materials	1,000	By Balance c/d	12,000
	71,500		71,500

आय–व्यय खाता
(Income and Expenditure Account)

गैर–व्यापारिक संस्थाओं की एक अवधि के क्रियाकलापों के आधार पर उक्त अवधि के परिणाम ज्ञात करने के लिए बनाया जाता है। लाभ–हानि खाते के समान एक नाम–मात्र का खाता है। इसे उपार्जित अवधारणा के आधार पर बनाया जाता है। पूंजीगत मदों को इसमें नहीं दिखाया जाता है। सम्बन्धित अवधि की आयगत आय एवं लाभों व व्यय एवं हानियों को दिखाया जाता है अर्थात बकाया व अग्रिम का समायोजन किया जाता है। इस खाते के बायें पक्ष में व्ययों तथा दाहिने पक्ष में आयों को दिखाया जाता है। इस खाते का अन्तर आधिक्य / न्यूनता होती है। इस खाते का निर्माण प्राप्ति व भुगतान खाता व अतिरिक्त सूचनाओं के आधार पर किया जाता है।

आय–व्यय खाते की विशेषताएँः (Characterstices of Income and Expenditure Account)

1. इसमें केवल आयगत प्रकृति की प्राप्तियाँ व भुगतान दिखाये जाते है।

2. यह एक नाम मात्र का खाता है। खर्चे व हानियां नामे पक्ष में तथा आय व लाभ दायें पक्ष में दिखाये जाते है जो आयगत प्रकृति के हो।

3. एक निश्चित लेखा अवधि की आय व व्ययों का लेखा किया जाता है चाहे व प्राप्त हुई हो या नहीं अथवा भुगतान किया हो अथवा नहीं।

4. यह उपार्जन अवधारणा पर बनाया जाता है अर्थात बकाया व अग्रिम का समायोजन किया जाता है।

5. इसमें कोई प्रारम्भिक शेष नहीं होता है इसका अन्तिम शेष आधिक्य या न्यूनता दिखाता है जिसे चिठ्ठे में पूँजी कोष में जोडा या घटाया जाता है।

प्राप्ति व भुगतान खाते से आय–व्यय खाता बनाना
(Preparation of Income and Expenditure Account from Receipts and Payments Account)

निम्नांकित प्रक्रिया अपनाकर आय–व्यय खाता बनाया जाता है।

1. प्राप्ति व भुगतान में दिखाये गये प्रारम्भिक व अन्तिम रोकड व बैंक शेष का उपयोग नहीं करते है।

2. प्राप्ति व भुगतान खाते में दिखाये गये पूँजीगत प्राप्तियाँ व पूँजीगत भुगतान इसमें नहीं दिखाते है इन्हें चिठ्ठे में दिखाया जाता है।

3. इसमें केवल आयगत मदों को ही दिखाया जाता है जो चालू वर्ष से सम्बन्धित होती है तथा उसमें बकाया व अग्रिम का समायोजन किया जाता है जो अतिरिक्त सूचना के रूप में उपलब्ध होती है।

4. निम्नांकित मदें जो प्राप्ति व भुगतान खाते में नहीं दिखायी जाती है उन्हे आय–व्यय खाते में दिखाया जाता हैः–

(**i**) स्थायी सम्पत्तियों पर मूल्य ह्रास (व्यय पक्ष में) (**ii**) स्थायी सम्पत्तियों की बिक्री से लाभ (आय पक्ष में)

(**iii**) स्थायी सम्पत्तियों की बिक्री से लाभ (व्यय पक्ष में) (**iv**) यदि गैर–व्यापारिक संस्था कोई व्यापारिक क्रिया भी करती है जैसे अस्पताल द्वारा दवाओं की विक्रय तो ऐसी दशा में प्रत्येक व्यापारिक क्रिया के लिए पृथक–2 व्यापार व लाभ-हानि खाता बनाया जाता है तथा उसमें दिखाये गये लाभ-हानि को आय-व्यय खाते में स्थानान्तरित किया जाता है।

(**v**) उपभोग योग्य सामग्री के उपभोग की राशि आय व्यय खाते के नामे में दिखाते है।

(**vi**) विशिष्ट कोष की राशि से अधिक उससे सम्बन्धित व्यय हो तो वह भी आय व्यय खाते के नामें में दिखायेंगे।

चिठ्ठा तैयार करना
(Preparation of Balance Sheet)

गैर व्यापारिक संस्थाओं की वित्तीय स्थिति की जानकारी करने हेतु चिठ्ठा बनाया जाता है। यह व्यापारिक संस्थाओं के लिए बनाये जाने वाले चिठ्ठे के अनुरूप ही बनाया जाता है। इसमें पूँजी के स्थान पर पूँजी कोष शब्द का उपयोग होता है। प्रश्न में गत वर्ष का चिठ्ठा, चालू वर्ष का प्राप्ति व भुगतान खाता व दी गई अतिरिक्त सूचनाओं के आधार पर निम्नांकित प्रकार से बनाया जाता है।

सम्पति पक्ष

(1) चालू वर्ष के प्राप्ति व भुगतान खाते में अन्तिम तिथि को दिखाया गया बैंक व रोकड शेष सम्पति पक्ष में दिखायेंगे।

(2) प्रारम्भिक चिठ्ठे में दी गई सम्पति के मूल्यों को लेकर प्राप्ति व भुगतान खाते में दिये गये सम्पतियों के क्रय विक्रय मूल्य को सम्बन्धित सम्पति मूल्य में जोड देना चाहिये एवं दी गई अतिरिक्त सूचनाओं व प्रारम्भिक चिठ्ठे की सूचना के आधार पर विक्रय की गई सम्पति का पुस्तक मूल्य सम्बन्धित सम्पति के मूल्य में से घटा देना चाहिये तत्पश्चात दी गई सूचनाओं के आधार पर सम्बन्धित सम्पति पर निर्धारित मूल्य ह्रास घटा देना चाहिये।

(3) उपभोग योग्य सामग्री के अन्तिम स्टॉक का मूल्य दिखाना चाहिये।

(4) गत वर्ष के चिठ्ठे में दिखाये गये बकाया आय के सम्बन्ध में चालू वर्ष के प्राप्ति व भुगतान खाते में उक्त राशि वसूल हो गई है या नहीं देखना चाहिये यदि आंशिक वसूल हुई है तो शेष चिठ्ठे के सम्पति पक्ष में दिखाना चाहिये।

(5) अतिरिक्त सूचनाओं में चालू वर्ष से सम्बन्धित बकाया आय की राशि ज्ञात कर उसे सम्पति पक्ष में दिखाना चाहिये।

(6) अतिरिक्त सूचनाओं से दायित्व पक्ष पूर्वदत्त व्ययों को भी ज्ञात कर उनको चिठ्ठे में लिखना चाहिये।

दायित्व पक्ष

(1) गत वर्ष के चिठ्ठे से पूँजी कोष ज्ञात करना चाहिये यदि गत वर्ष का चिठ्ठा उपलब्ध नहीं है तो इसी अध्याय में पूर्व में बताये अनुसार तरीके से प्रारम्भिक पूँजी कोष की गणना करनी चाहिये।

(2) गत वर्ष के चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में बकाया व्ययों से सम्बन्धित सूचना है तो प्राप्ति भुगतान खाते से ज्ञात करना चाहिये कि समस्त का भुगतान हो गया या नहीं यदि आंशिक भुगतान है तो शेष चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाया जाना चाहिये।

(3) गत वर्ष के चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में अग्रिम आयों की सूचना हो तो इसका समायोजन केवल आय व्यय खाते में होगा, चिठ्ठे में नहीं।

(4) अतिरिक्त सूचनाओं से यह देखना चाहिये कि चालू वर्ष के कोई व्यय अदत्त है। यदि ऐसा है तो उन्हे चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में दिखायेंगे।

(5) प्राप्ति व भुगतान खाता व अतिरिक्त सूचनाओं से ऐसी आय ज्ञात करनी चाहिये जो चालू वर्ष में प्राप्त हो गई किन्तु आगामी वर्ष से सम्बन्धित है इस प्रकार की आय को दायित्व पक्ष में दिखनाा चाहिये।

(6) अतिरिक्त सूचनाओं व प्राप्ति व भुगतान खाते के माध्यम से विशिष्ठ दान व विशिष्ट कोषों की प्राप्तियों को चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में समायोजनों के उपरान्त शेष दिखाया जाना चाहिये।

(7) प्रवेश शुल्क आदि आयों के सम्बन्ध में संस्था में नियमों के अनुसार आदि पूंजीगत मानना हो तो पूँजी कोष में जोड देंगे।

(8) आजीवन सदस्यता शुल्क की प्राप्त राशि पूँजी कोष में जोड देंगे।

(9) आय–व्यय खाते का आधिक्य/न्यूनता को भी पूँजी कोष में तदानुसार जोडेंगे या घटायेंगे।

चिठ्ठे का प्रारूप

Format of Balance Sheet

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital Fund:		Assets:	
Opening Capital Fund ----		Previous Balance ----	
Add/less: Surplus/deficit ----		Add: Purchases in current Year ----	
Add: Capitalised Value of life membership		Less: book Value of Assets sold ----	
fees, Entrance fees and legacies ----	----	Less: Depreciation ----	----
Special fund/ Donations ----		Stock of consumable goods	
Previous Balance (if any) ----		Previous Balance ----	
Add: Receipts during the year ----		Add Purchases during the year ----	
Add: Income carried on fund Investment ----		Less value of consumed during the year ----	----
Less: Expenses paid out of fund ----	----	Outstanding income	----
Creditors for purchases/ Supplies	----	Prepaid expenses	----
Outstanding expenses	----	Cash & Bank Balances	----
Income Received in advance	----		
Bank overdraft	----		

प्राप्ति व भुगतान खाता व दी गई सूचनाओं से आय व्यय खाता बनानाः

उदाहरण 7 : निम्नांकित सूचनाओं से प्राप्ति व भुगतान खाते से एक क्लब का 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय व्यय खाता बनाईये। From the following Receipts and Payments Account of a club, prepare Income and Expenditure Account for the year ended 31st March, 2017

Dr. **Cr.**

Receipts	Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Cash in hand (Opening)	2,000	By Salaries	50,000
To Cash at Bank (Opening)	1,00,000	By Stationary	2,000
To Subscription	1,52,400	By Electricity Exp	7,000
To Donations	36,000	By Billard Table	50,000
To Interest on Investment	1,800	By Purchase Investment	60,000
To Entrance fee	18,000	By Sundry Expenses	6,000
To Interest Received from Bank	6300	By Purchase of assets	1,25,000
To Sale of Old Materials	900	By Insurance premium	2,400
		By Cash in hand (closing)	4,000
		By Cash at bank (closing)	11,000
	3,17,400		3,17,400

Additional Informations:
(i) Subscription in arrear for the year ended 31st march 2017 ₹ 1000 and subscription in advance for the year ended 31st march 2017 ₹ 4,000 **(ii)** Insurance premium prepaid at the end ₹ 300 **(iii)** Sundry expenses outstanding ₹ 1,000 **(iv)** 50% Entrance fees is to be capitalised **(v)** Donation are for creating an endowment fund.

अतिरिक्त सूचनाएँ:
(i) 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष का बकाया चन्दा ₹ 1,000, इसी वर्ष प्राप्त अग्रिम चन्दा ₹ 4,000. **(ii)** पूर्वदत्त बीमा ₹ 300 **(iii)** बकाया विविध व्यय ₹ 1,000 **(iv)** प्रवेश शुल्क का 50% पूँजीकृत करना है। **(v)** दान एक अक्षय निधि कोष के लिए हैं।

हल:

Income and Expenditure Account
for the year ending 31st March, 2017

Dr. **Cr.**

Expenditure		Amount ₹	Income		Amount ₹
To Salaries		50,000	By Subscription	1,52,400	
To Stationary		2,000	Add: Arrear	10,000	
To Electricity Expenses		7,000		1,62,400	
			Less: advance	4,000	1,58,400
To Sundry Expenses	6,000		By Interest on Investment		1,800
Add: Outstanding	1,000	7,000	By Entrance Fees		9,000
To Insurance Premium	2,400		By Interst on Bank Deposits		6,300
Less: Prepaid	300	2,100	By Sale of old News papers		900
To Excess of Income over Expenditure		1,08,300			
		1,76,400			1,76,400

उदाहरण 8: निम्नांकित प्राप्ति व भुगतान खाते से एक क्लब का 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय व्यय खाता बनाइए। Receipts & Payments Account of a club, Prepare Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2017:

Receipts		Amount ₹	Payments		Amount ₹
To Balance b/d (Bank)		32,500	By Purchases of machinery (01-07-16)		6,000
To subscription			By Salaries		5,000
2015-16	2,000		By Sports Expenses		40,000
2016-17	15,000		By Stationary		10,000
2017-18	500	17,500	By Entertainment expenses		6,000
To Donations for Sports Fund		30,000	By Balance c/d		
			Cash	6,000	
To Government Subsidy		2,000	Bank	40,000	46,000
To Life Membership fees		30,000			
To Interest on Bank Deposits		1,000			
		1,13,000			1,13,000

Additional Informations:
(i) Sports fund opening balance ₹ 5,000 **(ii)** Stock of stationary opening ₹ 6,000, Closing ₹ 1,000 Creditors for stationary opening ₹ 3000, closing ₹ 3500 **(iii)** Bank interest Receivable ₹ 200 **(iv)** Depreciate machinery @ 10% p.a. **(v)** There are 160 Members of a club, who contribute ₹ 100 per year for subscription.

अतिरिक्त सूचनाएँ
(i) खेल कोष का प्रारम्भिक एक शेष ₹ 5000 है। **(ii)** स्टेशनरी का प्रारम्भिक शेष ₹ 6000,, अन्तिम शेष ₹ 1000 स्टेशनरी के लिए लेनदार प्रारम्भिक ₹ 3000 अन्तिम ₹ 3500 **(iii)** बैंक ब्याज ₹ 200 प्राप्त है। **(iv)** मशीनरी पर 10% वार्षिक की दर से मूल्य ह्रास लगाइये। **(v)** क्लब में 160 सदस्य है जो ₹ 100 प्रतिवर्ष चन्दा देते है।

हल:

Income and Expenditure Account
for the year endig 31st march 2017

Dr **Cr**

Expenditure	Amount ₹	Income		Amount ₹
To Salaries	5,000	By Subscription	15,000	
		(+) Accured	1,000	16,000
To Sports Expenses	5,000	By Govt. Subsidy		2,000
To Statioary Consumed	15,500	By Bank Interest	1,000	
To Entertainment expenses	6,000	(+) Accured	200	1,200
To Depreciation on machinery	450	By Excess of Expenditure over Income		12,750
	31,950			31,950

कार्यशील टिप्पणियाँ

1. खेल कोष के सम्बन्ध में गणना इस प्रकार की गई हैं :–

	₹
प्रारम्भिक खेल कोष	5000
(+) चालू वर्ष में प्राप्त दान	30000
	35000
(-) चालू वर्ष के खेल व्यय	40000
आय–व्यय खाते में दिखाई जाने वाली राशि (व्यय का आय पर आधिक्य होने के कारण)	5000

2. उपयोग की गई स्टेशनरी की राशि की गणना निम्नानुसार है:–

	₹
प्रारम्भिक स्टॉक	6000
(+) क्रय हेतु नकद भुगतान	10000
	16000
(-) प्रारम्भिक लेनदार	3000
	13000
(+) अन्तिम लेनदार	3500
	16500
(-) चालू अन्तिम स्टॉक	1000
उपभोग की गई स्टेशनरी की राशि	15500

3. मशीनरी पर मूल्य ह्रास की गणना 6,000 x10% x 9/12 = ₹ 450
4. बकाया चन्दे की गणना :

	₹
वर्ष का प्राप्य योग्य चन्दा (160x100)	16000
(–) वर्ष का वास्तविक प्राप्त चन्दा	15000
वर्ष के अन्त में बकाया चन्दा	1000

5. आजीवन सदस्यता शुल्क केवल एक बार प्राप्ति है अतः यह पूंजीगत प्राप्ति होगी।
6. सरकारी रोकड सहायता आयगत प्राप्ति हैं।

जब प्रारम्भिक चिठ्ठा एवं प्राप्ति व भुगतान खाता दिया हो उससे आय व्यय खाता व चिठ्ठा बनाना हो :–

उदाहरण 9

एक क्लब का 31 मार्च 2016 का चिठ्ठा एवं 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का प्राप्ति व भुगतान खाता निम्नानुसार है। 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय–व्यय खाता व उसी दिन का चिठ्ठा बनाइये।

Balance Sheet As on 31st March 2016

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Capital fund	117000		Buildings		30,000
(+) Excess of Income Over Expenditure	5000	1,22,000	Furniture		5,000
Subscritption received in Advance		500	Books		4,000
Environment fund		50,000	7% Environment Fund Investment		40,000
			7% Fixed deposits with bank		50,000
			Accured Interest from bank		500
			Accured subscription		2,000
			Cash in hand	30,000	
			Cash at Bank	11,000	41,000
		1,72,500			1,72,500

Receipts and Payments Account for the year ending 31st March, 2017

Receipts		Amount ₹	Payments		Amount ₹
To Balance b/d			By Salaries		1,000
Cash	30000		By Taxes & Insurance		2,000
Bank	11000	41,000	By Printing & Stationary		700
To Subscription		12,000	By Repairs		300
To Hall Rent		3,500	By Environment awareness movement		
To Interest on fixed deposit		3,700	expenses		50,000
To Donations towards environment fund		6,000	By Balance c/d		
To Interest recd. on environment fund			Cash	1000	
investment		2,800	Bank	14000	15,000
		69,000			69,000

Additional Information

1. The number of members in the club is 500 and annual susbcription payble by each member is ₹ 20
2. Subscription received during the year gffor the next year amountted to ₹ 1,000
3. The rent of the club Hall is ₹ 500 per day and the hall was let out for 10 days in current year.
4. Depreciation is to be provided @ 10% p.a. on all Assets.

अतिरिक्त सूचनाएँ

1. क्लब के सदस्यों की संख्या 500 है तथा वार्षिक चन्दा ₹ 20 प्रति सदस्य देय है।
2. चालू वर्ष में आगामी वर्ष का प्राप्त चन्दा ₹ 1,000
3. क्लब के हॉल का किराया ₹ 500 प्रतिदिन है वर्ष के दौरान हॉल 10 दिन किराये पर दिया गया।
4. सभी सम्पतियों पर 10% वार्षिक दर से मूल्य ह्रास लगाना है।

हल:

Income and Expenditure Account
for the year eneded 31st March, 2017

Expenditure		Amount ₹	Income		Amount ₹
To Salaries		1,000	By Subscriptions		10,000
To Taxes & Insurance		2,000	By Interest On F.D. (50000x7%)		3,500
To Printing & Stationary		700	By Hall rent	3500	
To Repairs		300	Add Outstanding	1500	5,000
To Depreciation					
Building (3000x10%)	3000				
Furniture (5000x10%)	500				
Books (4000x10%)	400	3,900			
To Excess of Income over Expenditure		10,600			
		18,500			18,500

Balance Sheet
As on 31st March, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Opening Capital fund	1,22,000		Building	30,000	
+ Surplus	10,600	1,32,600	(-) Depreciation	3,000	27,000
			Furniture	5,000	
Subscription received in Advance		1,000	(-) Depriciation	500	4,500
Environment fund	50,000		Books	4,000	
+ Donation recd.	6,000		(-) Depriciation	400	3,600
+Interest Related to c.y.	2,800		7% Fixed deposit in bank		50,000
	58,800		7%Environment fund investment		40,000
(-) Expenses during the year	50,000	8,800	Accured interest		300
			Hall Rent outstanding		1,500
			Subscription outstanding		500
			Cash in hand		1,000
			Cash at bank		14,000
		1,42,400			1,42,400

कार्यशील टिप्पणियां:

1. चन्दे की राशि की गणना इस प्रकार की गई है :–

		₹
चालू वर्ष में प्राप्त चन्दा		12,000
(–) चालू वर्ष में प्राप्त चन्दा जो गत वर्ष से सम्बन्धित है	2,000	
(–) चालू वर्ष में प्राप्त चन्दा जो अगले वर्ष सम्बन्धित है	1,000	3,000
		9,000
(+) चालू वर्ष का चन्दा जो गत वर्ष प्राप्त हो गया		500
चालू वर्ष से सम्बन्धित प्राप्त चन्दे की राशि		9,500
चालू वर्ष में प्राप्त होने योग्य चन्दा (500x20)		10,000
चालू वर्ष का बकाया चन्दा (10000–9500)		500

2. स्थायी जमा पर ब्याज की गणना इस प्रकार है :–

	₹
प्राप्त ब्याज	3,700
(–) चालू वर्ष में प्राप्त ब्याज जो गत वर्ष से सम्बन्धित है	500
चालू वर्ष से सम्बन्धित ब्याज जो प्राप्त हुआ	3,200
7% की दर से चालू वर्ष का स्थायी जमा ब्याज (5000x7%)	3,500
चालू वर्ष का बकाया ब्याज (3500-3200)	300

3. हॉल का बकाया किराया की गणना :–

	₹
चालू वर्ष का किराया (10x500)	5,000
(–) चालू वर्ष में प्राप्त	3,500
चालू वर्ष का बकाया हॉल किराया	1,500

उदाहरण 10: निम्नांकित सूचनाओं से एक क्लब का 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय–व्यय खाता एवं उसी दिन का चिठ्ठा बनाईये। From the following informations of club, prepare Income & Expenditure Account for the year ended 31 March, 2017 and a Balance Sheet on that date.

Balance sheet
As on 31st March, 2016

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital fund	4,20,000	Building	4,00,000
Creditors for Sports Material	10,000	Furniture	20,000
Subscription in Advance	5,000	Bank Balance	10,000
		Subscription Outstanding	5,000
	4,35,000		4,35,000

Receipts and Payments Account
For the year ended 31 March, 2017

Receipts	Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Balance b/d (Bank)	10,000	By Furniture	30,000
To Subscriptions	86,000	By Salaries	10,000
To Donation for poor girls marriage	33,000	By Creditors for sports material	25,000
		By General Expenses	11,000
		By Expenses on marriage of poor girls	42,000
		By Balance c/d (Bank)	11,000
	1,29,000		1,29,000

Additional Informations:

(1) On April, 2016 the old furniture was given to Red Cross and new furniture was purchased on Oct. 1, 2017 Depreciation@10% p.a. is to be provided on furniture.

(2) On 31st March 2017, the creditors for sports matereials were ₹ 4800 and value of sports matereials was ₹ 5400.

(3) A payment of ₹ 5,000 for sports material was to be debited to the general expenses.

(4) Outstanding subscription at the end ₹ 2,000 and advance subscription received for next year at the end ₹ 3000.

अतिरिक्त सूचनाएँ

(1) 1 अप्रेल 2016 को पुराना फर्नीचर रेड क्रास सोसाईटी को दे दिया गया तथा 1 अक्टूबर 2016 को नया फर्नीचर खरीदा गया। फर्नीचर दर 10 % वार्षिक दर से मूल्य ह्रास लगाना है।

(2) 31 मार्च 2017 को खेल सामग्री का शेष ₹ 5400 था।

(3) खेल सामग्री से सम्बन्धित ₹ 5000 का भुगतान सामान्य व्यय को नामे करना है।

(4) वर्ष के अन्त में चालू वर्ष का बकाया चन्दा ₹ 2000 तथा आगामी वर्ष का अग्रिम प्राप्त चन्दा ₹ 3000 है।

Income and Expenditure Account
For the year ended 31st March, 2017

Expenditure		Amount ₹	Income	Amount ₹
To Salaries		10,000	By Subscriptions	85,000
To General Exp.	11,000			
(+) related to sports material	5,000	16,000		
To Sports materials consumed		9,400		
To Furniture (Donated to Red Cross)		20,000		
To Depreciation on furniture (10%x30000x6/12)		1,500		
To Excess exp. on marriage of poor girls (42000-33000)		9,000		
To Excess of Income over Expenditure		19,100		
		85,000		85,000

Balance Sheet
As on 31st March, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Capital Fund	4,20,000		Building		4,00,000
(+) Excess of income over expenditure	19,100	4,39,100	furniture	30,000	
			(-) Depreciation	1,500	28,500
Creditors for sports materials		4,800	Subscription outstanding		2,000
Advance Subscription		3,000	Stock of sports materrial		5,400
			Cash at bank		11,000
		4,46,900			4,46,900

कार्यशील टिप्पणियां:

1. चन्दे की चालू वर्ष से सम्बन्धित राशि की गणना इस प्रकार की है :–

	₹	₹
चालू वर्ष में प्राप्त चन्दा		8,600
(–) पिछले वर्ष का बकाया चन्दा जो इस वर्ष प्राप्त हुआ	5,000	
(–) आगामी वर्ष का अग्रिम चन्दा	3,000	8,000
		7,800
(+) इस वर्ष का बकाया चन्दा	2,000	
(+) पिछले वर्ष, इस वर्ष का चन्दा अग्रिम प्राप्त	5,000	7,000
चालू वर्ष के चन्दे की रायिा		8,500

2. खेल सामग्री की उपभोग राशि की गणना इस प्रकार है:–

खेल सामग्री के लिए चालू वर्ष में भुगतान	25,000
(–) खेल सामग्री के प्रारम्भिक लेनदार	10,000
	15,000
(+) खेल सामग्री के अन्तिम लेनदार	4,800
	19,800
(–) खेल सामग्री का अन्तिम स्टॉक	5,400
	14,400
(–) खेल सामग्री का भुगतान जो सामान्य व्यय में ले गये	5,000
आय–व्यय खाता में ले गए	9,400

जब प्राप्ति व भुगतान खाता दिया हो तो आय–व्यय खाता एवं चिट्ठे बनाना

उदाहरण 11

एक चिकित्सा सहायता सोसाईटी का 31 मार्च 2017 का प्राप्ति व भुगतान खाता व अन्य सूचनाएं दी गयी है। इनके आधार पर 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय व्यय खाता एवं उसी दिन का चिठ्ठा तैयार कीजिये।

A Receipts and payments Accounts and other informations of a madical relief society for the year ended 31st March 2017 are given below with the help of these prepare Income and expenditure Account for the year ending 31st March 2017 and a Balance sheet on that date

Dr. Cr

Receipts	Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Cash in hand b/d	7,000	By Salaries (5000)	5,000
To Subscription	50,000	By Sundry Expenses	500
To Donation for organising fate	13,500	By Payment for medicines	30,000
To Interest on investment @ 8% p.a. for 2016-17	8,000	By Honorarium to doctors	10,000
To Proceeds from fate	10,000	By Consumable Stores	2,500
		By Machinery purchased	15,000
		By Fate Organising Exp.	21,000
		By Cash in hand c/d	4,500
	88,500		88,500

Additional Informations :

	1-4-16 ₹	31-3-17 ₹
Subscription Due (चन्दे के बकाया)	1,000	500
Subscription Received in advance (अग्रिम चन्दा)	500	1,000
Stock of medicines (दवाइयों का स्टॉक)	10,000	15,000
Amount due to medicine suppliers (दवा प्रदाताओं को देय)	8,000	12,000
Value of machinery (मशीन का मूल्य)	21,000	30,000
Value of buildings (भवन का मूल्य)	40,000	38,000

हल:

Income and Expenditure Account
for the year ending 31st March, 2017

Dr. **Cr.**

Expenditure	Amount ₹	Income	Amount ₹
To Medicinces Conumed	29,000	By Subscriptions	49,000
To Honorarium	10,000	By Donation for fate	13,500
To Salaries	5,000	By Proceeds from fate	10,000
To Sundry expences	500	By Interest on Investment	8,000
To Comsumable stores	2,500		
To Depreciation on building	2,000		
To Depreciation on Machinery	6,000		
To Fate Expenses	21,000		
To Excess of Income over Expenditure	4,500		
	80,500		80,500

Balance Sheet
As on 31st March 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Capital fund	1,70,500		Building	40,000	38,000
(-)Excess of expenditure	4,500		(-) depreciation	2,000	
over income		1,75,000	Machinery	21,000	
Advance Subscription		1,000	(+) Purchases	15,000	
				36,000	
			(-) Depreciation	6,000	30,000
Creditors for medicines		12,000	Stock of medicines		15,000
			Investments		1,00,000
			Subscription outstanding		500
			Cash in hand		4,500
		18,8000			1,88,000

कार्यशील टिप्पणियां:

1. चालू वर्ष से सम्बन्धित चन्दे की राशि की गणना

	₹	₹
चालू वर्ष में प्राप्त चन्दा		5,000
(–) पिछले वर्ष का बकाया चन्दा जो प्राप्त हुआ	1,000	
(–) आगामी वर्ष का अग्रिम चन्दा जो इस वर्ष प्राप्त	1,000	2,000
		48,000
(+) वर्ष के अन्त में इस वर्ष का बकाया चन्दा	500	
(+) पिछले वर्ष, चालू वर्ष का अग्रिम प्राप्त चन्दा	500	1,000
		49,000

2. विनियोगों की राशि चिठ्ठे के लिए ज्ञात करना:
प्रश्न में विनियोगों पर 8% की दर से ₹ 8,000 प्राप्त ब्याज किया अतः इस प्रकार 8000 x 100/8 = ₹ 1,00,000 विनियोग की राशि होगी।

3. दवाओं के उपभोग राशि की गणना निम्नानुसार की गई है:–

	₹
दवाईयों हेतु वर्ष में भुगतान	30,000
(+) दवाइयों का प्रारम्भिक स्टॉक	10,000
	40,000
(–) दवाइयों का प्रारम्भिक लेनदार	8,000
	32,000
(+) दवाइयों का अन्तिम लेनदार	12,000

	44,000
(–) दवाइयों का अन्तिम स्टॉक	15,000
वर्ष के दौरान उपभोग की गई दवाइयां	29,000

4. मेला आयोजित करने के लिए प्राप्त दान आयगत प्रकृति का है। अतः आय व्यय खाते में दिखाया गया है। चाहे तो इसकी शुद्ध राशि आय पक्ष में भी दिखा सकते हैं तब मेला खर्च मेले हेतु दान से प्राप्तियां मद नहीं दिखायेंगे।

5. प्रारम्भिक पूँजी कोष की गणना

Balance Sheet
As on 31st March, 2016

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Advance Subscription	500	Building	21,000
Creditors for medicines	8,000	Machinery	40,000
Capital fund (B/F)	1,70,500	Stock of medicines	10,000
		Outstanding subscription	1,000
		Investments	1,00,000
		Cash in hand	7,000
	1,79,000		1,79,000

6.भवन पर मूल्य ह्रास (40,000–38,000) = ₹ 2,000
मशीनरी पर मूल्य ह्रास (21,000 +15,000 –30,000) = ₹ 6,000

उदाहरण 12

31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का प्राप्ति व भुगतान खाता व अतिरिक्त सूचनाओं के आधार पर एक क्लब का 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय व्यय खाता व उसी दिन का चिठ्ठा बनाइये।

Prepare Income and Expenditure Account for the year ended 31st March, 2017 and Balance Sheet on that date of a club from the Receipts & Payments Accounts the year ended 31st March, 2017 and from additional informations:

Receipts		Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Balance b/d		4,000	By Rent Paid	72,000
To Entrance Fees		7,000	By Salaries	65,000
To Special Subscription for a sports tournaments		48,000	By Expenses on sports tournaments	54,000
To Rent from Club premises		7,000	By Stationary	40,000
To subscription			By Interest on loan for current year	20,000
2015-16	3,000		By sports equipment	25,000
2016-17	2,36,000		By Balance c/d	33,000
2017-18	4,000	2,43,000		
		3,09,000		3,09,000

Addiotional informations: - On 1st April 2016 the club owned some sports equipments the value of ₹ 2,00,000 and on 31st March 2017 all the sports material was valued at ₹ 1,90,000. The club also took a loan of ₹ 2,00,000 during the year 2015-16 @ 10% p.a. Stationary Expenses ₹ 4,000 pertained to previous year stand still owing ₹ 5,000, subscription unpaid at the end ₹ 12,000 for current year, Stock of stationary at the end was ₹ 4,000, Entrance fees to be capitalised.

अतिरिक्त सूचनाएँ

1 अप्रेल 2016 को क्लब के पास ₹ 2,00,000 मूल्य के खेल यंत्र थे तथा 31 मार्च 2017 को समस्त खेल यंत्रों का मूल्य ₹ 19,000 माना गया। क्लब ने वर्ष 2015-16 के दौरान ₹ 2,00,000 का ऋण 10% वार्षिक ब्याज दर पर लिया था। स्टेशनरी के ₹ 4,000 व्यय पिछले वर्ष से सम्बन्धित है तथा ₹ 5,000 अभी भी बकाया है। चालू वर्ष के चन्दे के ₹ 12,000 अन्त में अप्राप्त है। अन्त में स्टेशनरी का स्टॉक ₹ 4,000 था। प्रवेश शुल्क पंजीकृत करना है।

Income & Expenditure Account
for the year ended 31st March, 2017

Expenditure	Amount ₹	Income		Amount ₹
To Rent Paid	72,000	By Rent of Club Premises		7,000
To Salaries	65,000	By subscription	2,36,000	
To Expenses on sports tournaments (net) (54,000-48,000)	6,000	+outstanding	12,000	2,48,000
To Stationary consumed	37,000			
To Int. on loan	20,000			
To Depreciation on Sports equipment	35,000			
To Excess of Income over Expenditure	20,000			
	2,55,000			2,55,000

Balance Sheet
As on 31st March, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital Fund	**3,000**		**SportsEquipment**	**1,90,000**
+Surplus of Income over Expenditure	20,000		Stock of stationary	4,000
			Accured Subscription	
+ Entrance fees capitalised	7,000	30,000	Cash in hand	12,000
Outstanding stationary		5,000		33,000
Loan		2,00,000		
Advance Subscription		4,000		
		2,39,000		2, 39,000

कार्यशील टिप्पणीयां: 1. स्टेशनरी की उपभोग राशि की गणना निम्नानुसार है :–

	₹
स्टेशनरी भुगतान	40,000
(+) अन्त में बकाया	5,000
	45,000
(–) पिछले वर्ष के बकाया का भुगतान किया	4,000
	41,000
(–) स्टेशनरी का अन्तिम स्टॉक	4,000
चालू वर्ष में उपभोग किया गया	37,000

2. खेल यंत्रों पर मूल्य ह्रास की गणना निम्नानुसार की गई है :–

	₹
प्रारम्भिक खेल यंत्र मूल्य	2,00,000
(+) नये यंत्र खरीदे गये	25,000
	2,25,000
(–) वर्ष के अन्त में खेल यंत्रों का मूल्य	1,90,000
मूल्य ह्रास	35,000

3. प्रारम्भिक पूंजी कोष की गणना

Balance Sheet
As on 31st March, 2016

Expenditure	Amount ₹	Income	Amount ₹
Capital fund (B/F)	3,000	Sports equipment	2,00,000
Loan	2,00,000	Outstanding subscription	3,000
Outstandig stationary exp.	4,000	Cash	4,000
	2,07,000		2,07,000

उदाहरण 13: 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का प्राप्ति व भुगतान खाता व अन्य सूचनाओं से 31 मार्च 2017 का आय–व्यय खाता व उसी दिन का चिठ्ठा बनाइये।

Receipts and Payments Accounts for the year ended 31st March 2017 and from other informations, prepare Income and Expenditure Account for the year ended 31st March and the balance sheet on that date.

Receipts	Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Cash in hand	8,000	By Rent of Hall	4,000
To subscription	27,000	By Salaries	15,000
To Entrance fees	4,000	By Purchases of sports equipments	20,000
To sale of refreshments	10,000	By Dance Expenses	5,000
To Sale of Dance tickets	5,500	By Supply of refreshments	7,000
To Interest on 7% investments for 2016-17	4,200	By Cash in Hand	19,000
To Legacies	11,300		
	70,000		70,000

Additional Informations

(1) Following were the assets and liabilities on 31st March, 2016 and 31 March, 2017

	31-3-16 ₹	31-3-17 ₹
Sports Equipments (खेल यंत्र)	7,000	22,000
Subscription in arrears (बकाया चन्दा)	2,000	1,700
Furniture (फर्नीचर)	12,500	11,500
Outstanding rent (बकाया किराया)	800	400
Advance subscription (अग्रिम चंदा)	500	2,500

2. प्रवेश शुल्क पूँजीकृत कीजिए (Entrance fees should be capitalised)

हल:

Income and Expenditure Account
for the year ended 31st March, 2017

Dr. **Cr.**

Expenditure		Amount ₹	Income		Amount ₹
To Rent of hall	4,000		By Subscription	27,000	
(+) outstanding rent (c.y.)	400		Add: Subscription Advance (p.y)	500	
	4,400			27,500	
(-) Outstanding rent (p.y.)	800	3,600	Add: outstanding Subscription (c.y.)	1,700	
To Salaries		15,000		29,200	
To Dance Expenses		5,000	Less: Advance Subscription (c.y.)		
To supply of refreshment		7,000		2,500	
To Depreciation				26,700	
furniture (12500-11500)	1,000		Less:outstanding subscription (p.y.)		
Sports equipments (7000+20000-22000)	5,000	6,000		2,000	24,700
To Excess of Income Over Expenditure		7,800	By Sale of Refreshments		10,000
			By Sale of Dance Tickets		5,500
			By Interest on Investment		4,200
		44,400			44,400

Balance Sheet
As on 31st March, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Capital fund	88,200		Sports material	7,000	
(+) Excess of income over expenditure	7,800		(+) Purchases	20,000	
				27,000	
(+) Entrance fees	4,000		(-) Depreciation	5,000	22,000
(+) Legacies	11,300	111,300	Furniture	12,500	
Advance subscription		2,500	(-) Depreciation	1,000	11,500

Outstanding rent	400	Outstanding subscription	1,700
		Investment	60,000
		Cash in hand	19,000
	1,14,200		1,14,200

कार्यशील टिप्पणियां: 1. प्रारम्भिक पूँजी कोष की गणना

Balance Sheet
As on 31st March 2016

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
		Sports equipments	7,000
Capital Fund (B/F)	88,200	Subscription in arrears	2,000
		Furniture	12,500
Outstanding rent	800	Investment 4200x100/7	60,000
Advance subscription	500	Cash in hand	8,000
	89,500		89,500

2. वसीयत से प्राप्ति पूँजीगत प्रकृति की आय है अतः इन्हें पूँजी कोष में जोड़कर दिखाया गया है।

प्राप्ति व भुगतान खाता एवं आय व्यय खाते से चिठ्ठा बनाना
(Preparation of Balance sheet from Receipts and Payments Account and Income and Expenditure Account)

जब प्रश्न में प्रारम्भिक व अन्तिम चिठ्ठा, दिये गये प्राप्ति व भुगतान खाते व आय–व्यय खाते से बनाना हों तो निम्नांकित प्रक्रिया अपनायी जायेगी।

1. प्रारम्भिक चिठ्ठा बनाने हेतु प्रारम्भिक रोकड शेष (प्राप्ति व भुगतान खाते से) व अतिरिक्त सूचनाओं का उपयोग करेंगें साथ बकाया व अग्रिम की सूचना हेतु आय– व्यय खाते व प्राप्ति व भुगतान खाते की मदों का अन्तर देखेगें जो आगे समझाया हैं।

2. प्राप्ति व भुगतान खाते के नामे पक्ष व आय–व्यय खाते के जमा पक्ष की तुलना निम्नांकित ज्ञात करने हेतु करेंगे।

(i) चन्दे की बकाया रकम– पिछले वर्ष की प्रा. चिठ्ठे हेतु एवं इस वर्ष की अन्तिम चिठ्ठे हेतु **(ii)** अग्रिम आय **(iii)** वर्ष के दौरान सम्पति का विक्रय **(iv)** जो मदें पूंजीगत प्राप्ति है उन्हें सीधे चिठ्ठे में ले जाना है जैसे अक्षय निधि कोष, वसीयत से प्राप्ति, विशेष दान आदि।

3. इसी प्रकार प्राप्ति व भुगतान खाते के जमा पक्ष व आय व्यय खाते के नामे पक्ष की तुलना कर निम्नांकित सूचनाएं ज्ञात करेगें: **(i)** चालू वर्ष व पिछले वर्ष के बकाया व्यय **(ii)** पूर्वदत्त व्यय **(iii)** उपभोग योग्य सामग्री का स्टॉक **(iv)** वर्ष के दौरान सम्पति का क्रय **(v)** मूल्य ह्रास इस प्रक्रिया को निम्नांकित उदाहरण से स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।

उदाहरण 14: The Receipts and Payments Accounts and Income and Expenditure Account of a Club for the year ending 31st March, 2017 are as follows:

31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए एक क्लब का प्राप्ति व भुगतान खाता व आय व्यय खाता निम्नानुसार है:

Receipts and Payments Account
for the Year Ending 31st March, 2017

Receipts		Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Balance b/d		8,000	By Books Purchased	13,000
To subscription			By Salaries	14,000
2015-16	5,000		By Advertisement	1,000
2016-17	35,000		By Electricity expenses	1,500
2017-18	40,000	44,000	By Sundry Expenses	3,000
To Interest		4,000	By Office expenses	1,000
To Donations to special fund		1,500	By Balance c/d	28,000
To Rent				
2016-17	3,000			
2017-18	1,000	4,000		
		61,500		61,500

Income and Expenditure Account
for the year ended 31st March, 2017

Expenditure	Amount ₹	Income	Amount ₹
To Office expenses	800	By Interest	3,800
To Salaries	15,000	By Subscription	37,000
To Sundry expenses	2,800	By Rent	3,000
To Depreciation on building	7,500		
To Electricity expenses	1,500		
To Advertisement	1,200		
To Excess of income over expenditure	15,000		
	43,800		43,800

It is informed that assets as on 1-4-16 included the following and there was no liabilities on that date: Building ₹ 16,000, Books ₹ 14,000, Furniture ₹ 10,000, Investments ₹ 45,000. You are asked to prepare the Balance Sheets of a club as on 1 April 2016 and 31st March, 2017.

यह सूचना दी गई है कि दिनांक 1-4-16 को सम्पतियों में निम्नांकित शामिल है तथा उक्त दिवस कोई दायित्व नहीं है। भवन ₹ 16,000, पुस्तकें ₹ 14,000, फर्नीचर ₹ 10,000, विनियोग ₹ 45,000, आपको क्लब का 1 अप्रैल 2016 व 31 मार्च 2017 का चिठ्ठा तैयार करना है।

हल:

Balance Sheet
As on 1st April, 2016

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital fund (Balancing Figure)	3,68,200	Building	1,60,000
		Books	1,40,000
		Furniture	10,000
		Investments	45,000
		Accrued Interest	200
		Outstanding subscription	5,000
		Cash in hand	8,000
	3,68,200		3,68,200

Balance Sheet
As on 31st March, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Capital fund	3,68,200		Building	10,6000	
Add: Excess Income Over Expenditure			(-) Depreciation	7,500	1,52,500
	15,000	3,83,200	Books	1,40,000	
Donation for special fund		1,500	+ Purchases	13,000	1,53,000
Outstanding Salaries		1,000	Furniture		10,000
Advance subscription		4,000	Investments		45,000
Advance Rent		1,000	Prepaid Office expenses		200
Outstanding Advertisement		200	Prepaid sundry expenses		200
			Outstanding subscription		2,000
			Cash-in-hand		28,000
		3,90,900			3,90,900

कार्यशील टिप्पणियां

1.प्रारम्भिक चिठ्ठा बनाते समय सभी प्रारम्भिक सम्पतियों के शेष व रोकड शेष लिया गया है। तत्पश्चात आय–व्यय खाता व प्राप्ति व भुगतान खाते की विभिन्न मदों को मिलाने पर निम्नांकित समायोजन प्राप्त हुए हैः–

(क) प्राप्ति व भुगतान खाते में 2015-16 के ₹ 5,000 चन्दे के चालू वर्ष में प्राप्त हुए अर्थात यह राशि गत वर्ष का बकाया है। इसे सम्पति पक्ष में दिखायेंगे।

(ख) प्राप्ति व भुगतान खाते में ब्याज ₹ 4,000 प्राप्त दिखाया गया है जबकि आय–आय व्यय खाते में ₹ 3,800 दिखाया गया है अतः अन्तर की राशि ₹ 200 वर्ष 2016-17 में पिछले वर्ष 2015-16 की प्राप्त हुई है। अतः इसे 2015-16 के सम्पति पक्ष में दिखायेंगे।

2.अन्तिम चिठ्ठा बनाते समय सम्पतियों के प्रारम्भिक शेष में नई खरीदी सम्पतियां का मूल्य जोडते है तथा मूल्य ह्रास घटाते है इस प्रश्न में भवन के प्रा. मूल्य में से मूल्य ह्रास घटा देंगे (आय–व्यय खाते की सूचनानुसार) तथा नई पुस्तकें खरीदी (प्राप्ति व भुगतान खाते की सूचनानुसार) वह मूल्य जोड़ देंगे एवं प्राप्ति व भुगतान खाते से अन्तिम रोकड शेष दिखा देंगे।

3.इसके पश्चात आय व्यय–खाता एवं प्राप्ति व भुगतान खाता की मदों की रकम का मिलान करने पर निम्नांकित समायोजन प्राप्त हुए :

(क) बकाया चन्दा प्राप्ति व भुगतान खाते में 2016-17 में प्राप्त चन्दा ₹ 35,000 दिखाया है जबकि आय व्यय खाते में ₹ 37,000 दिखाया गया है अतः अन्तर की राशि ₹ 2,000 चालू वर्ष का बकाया चन्दा है इसे अन्तिम चिठ्ठे के सम्पति पक्ष में दिखायेंगे।

(ख) प्राप्ति व भुगतान खाते में 2017-18 का प्राप्त चन्दा ₹ 4,000 दिखाया है अर्थात यह राशि अग्रिम प्राप्त चन्दा है इसे अन्तिम चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में दिखायेंगे।

(ग) इसी प्रकार प्राप्ति व भुगतान खाते में 2017-18 का किराया ₹ 1,000 प्राप्त दिखाया है अर्थात यह अग्रिम प्राप्ति है अतः इसे अन्तिम चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में दिखायेंगे।

(च) प्राप्ति व भुगतान खाते में वेतन ₹ 14,000 दिखाया है जबकि आय–व्यय खाते में ₹ 15,000 अर्थात ₹ 1,000 अन्तर की राशि चालू वर्ष की बकाया वेतन है इसे चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में दिखायेंगे।

(छ) प्राप्ति व भुगतान खाते में विज्ञापन ₹ 1,000 दिखाया है जबकि आय व्यय–खाते में ₹ 1,200 अर्थात ₹ 200 अन्तर की राशि चालू वर्ष का बकाया विज्ञापन व्यय है इसे चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में दिखायेगें।

(ज) प्राप्ति व भुगतान खाते में विविध व्यय ₹ 3,000 दिखाये है जबकि आय व्यय खाते में ₹ 2,800 अर्थात ₹ 200 अन्तर की राशि चालू वर्ष में पूर्वदत्त भुगतान है अतः इसे अन्तिम चिठ्ठे के सम्पति पक्ष में दिखायेंगे।

(झ) प्राप्ति व भुगतान खाते में कार्यालय व्यय ₹ 1,000 जबकि आय व्यय खाते में ₹ 800 दिखाये गये हैं अर्थात ₹ 200 अन्तर की राशि चालू वर्ष में पूर्वदत्त भुगतान है अतः इसे चिठ्ठे के सम्पति पक्ष में दिखायेंगे।

आय व्यय खाते से प्राप्ति व भुगतान खाता बनाना
(Preparation of Receipts and Payments Account from Income and Expenditure Account)

कभी–2 प्रश्न में आय व्यय खाता एवं अतिरिक्त सूचनाएँ अथवा / व चिठ्ठा दिया हों उससे प्राप्ति व भुगतान खाता बनाने को कहा जाय तो प्रश्न हल करने के लिए निम्नांकित प्रक्रिया अपनायी जायेगीः

1. चालू वर्ष में सभी प्राप्तियां चाहें वे आयगत हो या पूंजीगत, पिछले वर्ष की हो या आगामी वर्ष की, इन सभी को प्राप्ति व भुगतान खाते के नाम में से दिखायेंगे।

2. चालू वर्ष में सभी भुगतान चाहे वे आयगत हो या पूंजीगत, पिछले वर्ष के हो या आगामी वर्ष से सम्बन्धित हो, इन सभी को प्राप्ति व भुगतान खाते के जमा पक्ष में दिखायेंगे।

3. प्रारम्भिक व अन्तिम रोकड बैंक शेष जो उपलब्ध है उन्हें प्राप्ति व भुगतान खाते में यथा स्थान दिखाना होगा।

4. वे सभी जो गैर रोकड मदें है यथा मूल्य ह्रास, डूबत ऋण आयोजन आदि नहीं दिखायी जायेगी साथ ही सम्पतियों को बेचने पर होने वाला लाभ/ हानि भी प्राप्ति व भुगतान खाते में नहीं दिखायेंगे।

5. सम्पतियों की क्रय राशि ज्ञात करने के लिए इनके प्रारम्भिक व अन्तिम शेष में मूल्य ह्रास आदि का समायोजन कर क्रय मूल्य ज्ञात करेगें।

6. पूर्वदत्त, अग्रिम, बकाया आदि समायोजनों का सम्बन्धित मदों पर रोकड प्रभाव देखकर तदनुसार सम्बन्धित मद का मूल्य प्राप्ति व भुगतान खाते में दिखा देंगे। जैसे आय–व्यय खाते में किराया चुकाया ₹ 5,000 दिखाया है तथा अन्तिम चिठ्ठे में बकाया किराया ₹ 1,000 दिखाया गया है तो प्राप्ति व भुगतान खाते में किराया चुकाया ₹ 4,000 ही दिखाया जायेगा। इसी प्रकार आय–व्यय खाते में चन्दा ₹ 15,000 दिखाया है तथा अन्तिम चिठ्ठे में अग्रिम चन्दा दायित्व पक्ष में ₹ 1,000 दिखाया है तथा बकाया चन्दा ₹ 2,000 सम्पति पक्ष में दिखाया है तो प्राप्ति व भुगतान खाते में चन्दे की राशि नामे पक्ष में ₹ 14,000 दिखाया जायेगा। इस प्रकार समायोजन पर रोकड के प्रभाव को पुनः समायोजित कर वास्तविक प्राप्ति या भुगतान राशि की प्राप्ति व भुगतान खाते में दिखाई जायेगी। इसे सरलता से निम्न प्रकार से समझा जा सकता हैं :–

(क) आय मद :–

आय व्यय खाते में चन्दे की दिखाई गई राशि	.....
(–) चालू वर्ष के अन्त में बकाया चन्दा	.....
(–) पिछले वर्ष प्राप्त अग्रिम चन्दा	.....
(+) पिछले वर्ष का बकाया चन्दा जो इस वर्ष प्राप्त हुआ	.....
(+) चालू वर्ष में प्राप्त अग्रिम चन्दा	.....
चालू वर्ष में प्राप्ति व भुगतान खाते में दिखायी जाने वाली चन्दें की राशि	.....

(ख) व्यय मद :–

आय–व्यय खाते में वेतन की दिखाई राशि	.....
(–) चालू वर्ष के अन्त में बकाया	.....
(–) पिछले वर्ष अग्रिम चुकाया वेतन (जो इस वर्ष से सम्बन्धित हैं)	.....
(+) पिछले वर्ष का बकाया वेतन (जो इस वर्ष चुकाया गया)	.....
(+) चालू वर्ष में आगामी वर्ष का वेतन अग्रिम चुकाया	.....
वर्ष में प्राप्ति व भुगतान व खाते में दिखाई जाने वाली वेतन की राशि	.....

(ग) स्टेशनरी / उपभोग योग्य सामग्री आदि के लिए चुकाई गई राशि की गणना :–

स्टेशनरी की आय–व्यय खाते में दिखायी राशि	.....
(–) स्टेशनरी का प्रारम्भिक स्टॉक	.....
(+) स्टेशनरी का अन्तिम स्टॉक	.....
(–) स्टेशनरी हेतु पिछले वर्ष अग्रिम चुकाया	.....
(+) चालू वर्ष में, आगामी वर्ष हेतु स्टेशनरी का अग्रिम चुकाया	.....
(–) चालू वर्ष के अन्त में स्टेशनरी के लेनदार	.....
(+) चालू वर्ष के प्रारम्भ में स्टेशनरी के लेनदार (अर्थात पिछले वर्ष के लिए जो भुगतान इस वर्ष किया)	.....
वर्ष में प्राप्ति व भुगतान खाते में स्टेशनरी की दिखायी जाने वाली राशि	.....

उदाहरण 15 :

31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय–व्यय खाते व अन्य सूचनाओं से 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष का प्राप्ति व भुगतान खाता बनाईये तथा उक्त तिथि का चिठ्ठा बनाइये।

From Income and Expenditure Account for the year ending 31st March, 2017 and from additional informations, prepare Receipts and Payments Accounts for the year ending 31st March, 2017 and Balance Sheet on that date.

Income and Expenditure Account
For the year ended 31st March, 2017

Expenditure		Amount ₹	Income	Amount ₹
To Salaries		55,000	Subscription	1,00,000
To Audit fees		2,500	Entrance fees	5,000
To Insurance		5,500	Receipts from entertainments	30,000
To Honorarium		10,000	Rent from hire of ground	10,000
To Stationary		7,500		
To Entertainment Expenses		26,500		
To Depreciation on Building	5,000			
Furniture	2,000			
Sports equipment	20,000	27,000		
Excess of Income over Expenditure		11,000		
		1,45,000		1,45,000

Additional Informations :अतिरिक्त सूचनाएँ

	31-3-16 ₹	31-3-17 ₹
बकाया चन्दा (Outstanding Subscription)	9,000	15,000
अग्रिम चन्दा (Subscription received in advance)	10,000	7,000
बकाया वेतन (Outstanding Salaries)	5,000	4,000
पूर्वदत्त बीमा (Prepaid insurance)	-----	500
स्टेशनरी का स्टॉक (Stock of Stationary)	10,000	5,000
स्टेशनरी के लेनदार (Creditors for Stationary)	4,000	2,000
भवन (Buildings)	1,00,000	2,00,000

फर्नीचर (Furniture)	20,000	18,000
अंकेक्षण शुल्क (Audit fees)	---	2,500
बैंक ऋण (Bank Loan)	40,000	40,000
खेल यंत्र (Sports Equipments)	50,000	40,000
रोकड शेष (Cash in hand)	?	15,000

50% प्रवेश शुल्क पूँजीकृत किया हैं। 50% Entrance fees has been capitalized.

हलः

Receipts and Payments Account
for the year ending 31st March, 2017

Receipts	Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Balance b/d (B/F)	92,000	By Salaries	56,000
To Subscriptions	91,000	By Insurance	6,000
To Entrance fees	10,000	By Honorarium	10,000
To Receipts from Entertainment	30,000	By Stationary	4,500
To Rent from hire of ground	10,000	By Expenses on Entertainment	26,500
		By Buildings	1,05,000
		By Sports equipments	10,000
		By Cash in hand	15,000
	2,33,000		2,33,000

Balance Sheet
As on 31st March, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital fund	2,22,000		Building	2,00,000
+ Surplus	11,000		Furniture	18,000
Entrance fees	5,000	2,38,000	Sports equipments	40,000
Bank loan		40,000	Stock of stationary	5,000
Outstanding audit fees		2,500	Prepaid Insurance	500
Creditors for stationary		2,000	Outstanding subscription	15,000
Outstanding salaries		4,000	Cash-in-hand	15,000
Advance subscription		7,000		
		2,93,500		2,93,500

कार्यशील टिप्पणियां

1. चन्दे की राशि जो प्राप्ति व भुगतान खाते में दिखायी है :–

		₹
चन्दे की राशि आय व्यय खाते के अनुसार		1,00,000
(+) 2015–16 का बकाया चन्दा जो चालू वर्ष में प्राप्त हुआ	9,000	
(+) चालू वर्ष में 2017–18 का अग्रिम प्राप्त चन्दा	7,000	16,000
		1,16,000
(–) चालू वर्ष का बकाया चन्दा	15,000	
(–) चालू का चन्दा जो 2015–16 में प्राप्त हुआ	10,000	25,000
		91,000

2. प्रवेश शुल्क जो प्राप्ति व भुगतान खाते में दिखाया गया हैः–

	₹
आय–व्यय खाते के अनुसार	5,000
(+) पूंजीकृत भाग	5,000
	10,000

3. वेतन जो प्राप्ति व भुगतान खाते में दिखाया गया है:–

	₹
आय–व्यय खाते के अनुसार	55,000
(+) 2015–16 का बकाया चन्दा जो चालू वर्ष में प्राप्त हुआ	5,000
	60,000
(–) 2016–17 का बकाया चन्दा	4,000
	56,000

4. अंकेक्षण शुल्क जो प्राप्ति व भुगतान खाते में दिखाया गया है :–

	₹
आय–व्यय खाते के अनुसार	2,500
(+) 2016–17 में बकाया अंकेक्षण शुल्क	2,500
	---

5. बीमा व्यय जो प्राप्ति व भुगतान खाते में दिखाया गया है :–

	₹
आय–व्यय खाते के अनुसार	5,500
(+) 2015–16 का बकाया जो इस वर्ष चुकाया	500
	6,000

6. स्टेशनरी जो प्राप्ति व भुगतान खाते में दिखाई गई हैं :–

	₹
आय–व्यय खाते के अनुसार	7,500
(+) 31.3.17 को स्टॉक	5,000
(:+) 2015–16 के लेनदार जिन्हें इस वर्ष भुगतान किया	4,000
	16,500
(–) 1.4.16 का स्टॉक	10,000
(–) 2016–17 के अन्त में लेनदार जिन्हें चुकाना बाकी हैं	2,000
	4,500

7. भवन की राशि जो प्राप्ति व भुगतान खाते में दिखायी हैं :–

	₹
अन्तिम शेष	2,00,000
(+) मूल्य ह्रास	5,000
	2,05,000
(–) प्रारम्भिक शेष	1,00,000
भवन क्रय	1,05,000

8. खेल यंत्र की राशि जो प्राप्ति व भुगतान खाते में दिखायी हैं :–

	₹
अन्तिम शेष	40,000
(+) मूल्य ह्रास	20,000
	60,000
(–) प्रारम्भिक शेष	50,000
खेल यंत्र क्रय	10,000

9. प्रारम्भिक पूँजी कोष की गणना

Balance sheet
As on 1 April, 2016

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital fund (b/f)	2,22,000	Buildings	1,00,000
Bank loan	40,000	Furniture	20,000
Creditors for stationary	4,000	Sports equipments	50,000
Outstanding salaries	5,000	Stock of stationary	10,000
Advance subscription	10,000	Outstanding subscription	9,000
		Cash in hand	92,000
	2,81,000		2,81,000

व्यापारिक क्रियाओं से होने वाले लाभ/ हानि का लेखांकन
(Accounting for profit/loss from Trading Activities)

कभी –2 एक संस्था कोई व्यापारिक क्रिया भी करती हैं जैसे एक क्लब, एक रेस्टोरेन्ट भी चलाता है या एक अस्पताल दवा की दुकान भी चलाती है तो ऐसी प्रत्येक व्यापारिक क्रिया का पृथक– 2 व्यापार लाभ–हानि खाता बनाया जायेगा तथा इस प्रकार ज्ञात लाभ/हानि को आय–व्यय खाते में दिखायेंगे। व्यापार व लाभ– हानि खाता ठीक उसी प्रकार बनाया जाता है। जैसा व्यापारिक संस्था का बनाया जाता है जिसे पिछले वर्ष अध्ययन कर चुके है।

प्राप्ति भुगतान खाता व आय व्यय खाते में अन्तर
Difference between Receipts and Payments Account and Income and Expenditure Account

आधार	प्राप्ति व भुगतान खाता	आय–व्यय खाता
1. उद्देश्य	इसका उद्देश्य अन्तिम रोकड शेष ज्ञात करना होता है।	इसका उद्देश्य संस्था की गतिविधियों से आर्थिक परिणाम ज्ञात करना है अर्थात आधिक्य/न्यूनता ज्ञात करना।
2. स्वरूप	यह रोकड बही का संक्षिप्त रूप है	यह लाभ–हानि खाते के समान है।
3. प्राप्तियों की प्रकृति	इसमें सभी प्रकार की प्राप्तियां चाहे आयगत हो या पूंजीगत दिखाई जाती हैं।	इसमें केवल आयगत प्रकृति की प्राप्तियां ही दिखाई जाती है।
4. भुगतानों की प्रकृति	इसमें सभी प्रकार के भुगतान, चाहे वे पूंजीगत प्रकृति के हो या आयगत प्रकृति के हो, दिखाते हैं।	इसमें केवल आयगत भुगतान ही दिखाये जाते है।
5. पक्ष	इसके नामे पक्ष में प्राप्तियां व जमा पक्ष में भुगतान दिखाते हैं।	इसके नामे पक्ष में व्यय तथा जमा पक्ष में आय की मदें दिखाते हैं।
6. समायोजन	यह लेखांकन की रोकड पद्धति पर आधारित हैं तथा कोई समायोजन नहीं दिखाते हैं।	यह लेखांकन की व्यापारिक लेखा पद्धति पर आधारित हैं तथा इसमें समायोजन दिखाये जाते हैं।
7. प्राप्तियों की अवधि	सभी प्राप्तियां चाहे किसी भी अवधि के हो दिखायी जाती हैं।	केवल ऐसी आयगत प्राप्तियों जो चालू वर्ष से सम्बन्धित हैं, दिखाते हैं।
8. भुगतानों की अवधि	सभी भुगतान चाहे किसी भी अवधि के हो, दिखाये जाते है।	केवल ऐसे आयगत भुगतान जो चालू वर्ष से सम्बन्धित है, दिखाये जाते हैं।
9. ह्रास व हानियाँ	इन्हें नहीं दिखाया जाता है।	इन्हें दिखाया जाता है।
10. शेष	रोकड बही का प्रारम्भिक व अन्तिम शेष दिखाये जाते हैं।	इसमें रोकड बही के प्रारम्भिक व अन्तिम शेष नहीं दिखाते हैं।

सारांश (Summary)

– **गैर–व्यापारिक संस्था** :– दातव्य या सामाजिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए बनाई गई संस्था, जिसका उद्देश्य लाभ कमाना नहीं हैं।

– **गैर–व्यापारिक संस्था द्वारा रखी जाने वाली प्रमुख पुस्तकें**:–रोकड बही, सदस्यता रजिस्टर, सम्पतियों का रजिस्टर

– **प्राप्ति व भुगतान खाता**:–यह रोकड बही का सारांश है एक ही प्रकार की आय/व्यय की मदों को समूहीकृत करके एक साथ दिखाई जाती है। यह एक वास्तविक खाता है जिसमें एक अवधि की समस्त प्राप्तियां व भुगतान चाहे वे आयगत हो या पूँजीगत दिखाये जाते हैं। गैर रोकड व्यवहार नहीं दिखाये जाते हैं। (चाहे किसी भी अवधि की हो)। यह खाता रोकड का शेष प्रकट करता है।

– **आय व्यय खाता**:– एक गैर–व्यापारिक संस्था की एक अवधि के आर्थिक परिणामों को ज्ञात करने की लिए बनाया जाने वाला विवरण है यह नाम मात्र प्रकृति का खाता है तथा लाभ–हानि खाते के नियमों के अनुरूप बनाया जाता है। इसमें इस अवधि की आयगत आय–व्यय ही दिखायी जाती है। चाहे वह बकाया हो या अग्रिम। गैर रोकड व्यय एवं सम्पतियों के बेचने से लाभ/हानि भी दिखाते हैं। इसका शेष इस अवधि में आय का व्यय पर आधिक्य या व्यय का आय पर आधिक्य दिखाता है।

– **विशिष्ट कोष** :– किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए बनाये गये कोष जिन्हें प्रतिबन्धित कोष भी कहा जाता है। यह पूँजीगत प्रकृति के होते हैं इस उद्देश्य के लिए किये गये व्यय इसी में से घटाते हैं तथा प्राप्तियों इसी में जोडते हैं तथा शेष चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाते हैं। व्यय की राशि कोष से अधिक होने पर आय व्यय खाते के नामे पक्ष से दिखाते हैं।

– **सामान्य कोष** :– ऐसे कोष जो किसी उद्देश्य विशेष के लिए नहीं है उन्हें सामान्य कोष कहते है इन्हें पूँजी कोष में भी स्थानान्तरित किया जा सकता है अथवा किसी भी उद्देश्य के लिए इनका उपयोग किया जा सकता है।

– **प्रवेश शुल्क** :– नये सदस्य के प्रवेश पर एक बारगी ली जाने वाली राशि प्रवेश शुल्क कहलाती है यह नये सदस्य के बनाने पर होने वाले अतिरिक्त व्यय पूर्ति के लिए है अतः आयगत प्रकृति का है किन्तु प्रश्न में विपरीत बात कहने पर उतनी राशि पूँजीगत मानी जाती है।

– **आजीवन सदस्यता शुल्क** :– संस्था का सदस्य वार्षिक शुल्क देने के बजाय एक मुश्त राशि दे देता है। यह प्राप्ति पूँजीगत प्राप्ति है अतः पूँजी कोष में जोडना होगा।

– **सामान्य दान व विशिष्ट दान** :– बिना किसी शर्त के साथ दिया गया उपहार सामान्य दान कहलाता है आय–व्यय खाते में दिखाते है तथा विशिष्ट उद्देश्य के लिए प्राप्त दान पूंजीगत प्रकृति के होने के कारण चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाते हैं तथा उसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए उपयोग में लेते हैं।

– **सरकार या अन्य संस्थाओं से सहायता** :– यदि सहायता किसी विशिष्ट कार्य के लिए प्राप्त हुई तो पूँजीगत प्रकृति की है तथा चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में दिखायेंगे तथा यदि दैनिक क्रियाकलापों हेतु प्राप्त हुई तो आयगत होने के कारण आय –व्यय खाते में आय पक्ष में दिखायेंगे।

प्रमुख– शब्दावली (Key Terms)

– **चन्दा** (**Subscription**): गैर व्यापारिक संस्था के सदस्यों द्वारा नियमित रूप से सावधिक दी जाने वाली एक निश्चित राशि चन्दा कहलाती है जिससे उनकी सदस्यता बरकरार रहे।

– **वसीयत के अन्तर्गत प्राप्ति** (**Legacy**): एक मृतक व्यक्ति की वसीयत के अनुसार कोई राशि/सम्पति गैर–व्यापारिक संस्था को प्राप्त होती है तो इसे वसीयत के अन्तर्गत प्राप्ति कहते हैं। यह सामान्यतया विशिष्ट उद्देश्य के लिए प्राप्त होती है।

– **मानदेय** (**Honorarium**): सेवा प्रदान करने के बदले संस्था के कर्मचारी के अतिरिक्त अन्य व्यक्ति को किये जाने वाले भुगतान मानदेय कहलाते है।

– **अक्षय निधि** (**Endownment fund**): किसी गैर व्यापारिक संस्था को दान दी गई राशि/सम्पति जिसकी आय का उपयोग दान दाता द्वारा बताये उद्देश्य के लिए किया जायेगा तथा मूल उपहार सदा यथा स्थिति में रहेगा अर्थात उसका उपभोग नहीं किया जायेगा।

– **चिठ्ठा** :– एक संस्था की निश्चित तिथि की वित्तीय स्थिति चित्रण करने वाला विवरण पत्र हैं।

– **सहायता** (**Aid**): विशिष्ट या सामान्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए गैर–व्यापारिक संस्था को सरकार या अन्य से प्राप्त राशि सहायता कहलाती हैं।

अभ्यासार्थ प्रश्न (Questions for Exercise)

बहुचयनात्मक प्रश्न (Multiple choice questions)

1. गैर व्यापारिक संस्थाओं का मूल उद्देश्य होता है :–
   (अ) लाभ कमाना **(ब)** जन कल्याणकारी कार्य **(स)** व्यवसाय करना **(द)** उपरोक्त में से कोई नहीं

   The main object of Non trading Organisations is :
   (a) To earn Profit **(b)** Public welfare work **(c)** To do business **(d)** Non of the above

2. प्राप्ति व भुगतान खाता————————————खाता है :–
   (अ) वस्तुगत **(ब)** नाम मात्र **(स)** व्यक्तिगत **(द)** उपरोक्त में से कोई नहीं

   Receipts and Payments Account is a ----------Account :
   (a) Real **(b)** Nominal **(c)** Personal **(d)** None of the above

3. आय–व्यय खाता एक ————————खाता है।
   (अ) लाभ कमाना **(ब)** जन कल्याणकारी कार्य **(स)** व्यवसाय करना **(द)** उपरोक्त में से कोई नहीं

   Income and Expenditure Account is a ---------- Account.
   (a) Real **(b)** Nominal **(c)** Personal **(d)** None of the above

4. आय–व्यय खाता में ————————मदें ही दिखाई जाती हैं।
   (अ) केवल आयगत **(ब)** केवल पूंजीगत **(स)** आय व पूँजीगत दोनों **(द)** उपरोक्त में से कोई नहीं

   In Income and Expenditure Account----------items are shown.
   (a) Only revenue **(b)** Only Capital **(c)** revenue and Capital both **(d)** None of the above

5. आय–व्यय खाता ———————— के आधार पर बनाया जाता है।
   (अ) उपार्जन अवधारणा **(ब)** रोकड़ अवधारणा **(स)** इकहरी प्रविष्ठि अवधारणा **(द)** उपरोक्त में से कोई नहीं

   Income and Expenditure Account is prepared on the basis of.
   (a) Accrual concept **(b)** Cash concept **(c)** Single entry concept **(d)** None of the above

6. आजीवन सदस्यता शुल्क आय–व्यय खाते व चिठ्ठे में किस जगह दिखाया जाएगा।
   (अ) आय–व्यय खाते के नामें पक्ष में **(ब)** चिठ्ठे के सम्पति पक्ष में
   (स) आय–व्यय खाते के जमा पक्ष में **(द)** चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में

   Where the Life Membership Fees will be shown in Income and Expenditure Account and in Balance Sheet.
   (a) In debit side of Income and Expenditure **(b)** Assets side of Balance Sheet
   (c) In credit side of Income and Expenditure **(d)** In liabilities side of Balance Sheet

7. प्राप्ति व भुगतान खाते में ----------मदें दिखाई जाती हैं।
(अ) पूंजीगत (ब) आयगत (स) पूंजीगत व आयगत (द) उपरोक्त में से कोई नहीं
In Receipts and Payments Account----------items are shown.
(a) Captial **(b)** Revenue (c) Captial and Revenue **(d)** None of the above

8. यदि खेलकूद कोष ₹ 2,00,000 प्रारम्भिक है तथा इसे पृथक से 8% वार्षिक ब्याज दर पर विनियोग कर रखा है तथा वर्ष के दौरान खेलकूद आयोजन पर ₹ 15,000 व्यय हुए हो तो वर्ष के अन्त में चिठ्ठे में दिखाई जाने वाली राशि होगी।
(अ) ₹ 2,01,000 (ब) ₹ 1,99,000 (स) ₹ 1,85,000 (द) ₹ 2,16,000
If opening sports fund is ₹ 2,00,000. It is invested seperately @ 8% p.a. interest. Expenses made ₹ 15,000 during the year on sports tournament which amount of sports fund shown in the Balance Sheet at the end of the year.
(a) ₹ 2,01,000 **(b)** ₹ 1,99,000 **(c)** ₹ 1,85,000 **(d)** ₹ 2,16,000

9. यदि स्टेशनरी का प्रारम्भिक स्टॉक ₹ 5,000, अंतिम स्टॉक ₹ 3,000, वर्ष के दौरान स्टेशनरी नगद खरीदी ₹ 20,000 इस व्यवहार को प्राप्ति व भुगतान खाते में किस प्रकार दिखाएंगे।
(अ) भुगतान पक्ष में ₹ 22,000 (ब) भुगतान पक्ष में ₹ 20,000
(स) भुगतान पक्ष में ₹ 28,000 (द) उपरोक्त में से कोई नहीं
If opening stock of stationary at the beginning ₹ 5,000. at the end ₹ 3,000. stationary purchased in cash during the year for ₹ 20,000. How this transcation will dealt in Receipts and Payments Account.
(a) Payment side ₹ 22,000 **(b)** Payment side ₹ 20,000
(c) Payment side ₹ 28,000 **(d)** None of the above

10. निम्नलिखित सूचनाओं के अन्तिम चिठ्ठे में दिखाये जाने वाले बकाया चन्दे की राशि ज्ञात करो। प्रारम्भिक बकाया चन्दा ₹ 10,000, वर्ष के दौरान प्राप्त चन्दा ₹ 20,000 जिसमें प्रारम्भिक बकाया चन्दा प्राप्ति ₹ 6,000 तथा अग्रिम प्राप्त चन्दा ₹ 7,000 शामिल है। क्लब के 50 सदस्य हैं। प्रत्येक ₹ 400 वार्षिक चन्दा देता है।
(अ) ₹ 20,000 (ब) ₹ 21,000 (स) ₹ 17,000 (द) ₹ 13,000
From the following informations, calculate the amount of outstanding subscription which is shown in closing Balance Sheet. Opening outstanding subscription ₹ 10,000, subscription received during the year ₹ 20,000, in which opening outstanding subscription received ₹ 6,000 and advance subscription ₹ 7,000 is included. There are 50 members, each pays ₹ 400 annual subscription.
(a) ₹ 20,000 **(b)** ₹ 21,000 **(c)** ₹ 17,000 **(d)** ₹ 13,000

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न (Very short answer type questions)

1. गैर–व्यावसायिक संस्थाओं की कोई दो विशेषताएं बताओ।
State two characteristics of a non-trading concerns.
2. व्यापारिक संस्थाओं व गैर–व्यापारिक संस्थाओं में कोई दो अन्तर लिखो।
Give any two differences between trading organisations and non-trading organisations.
3. गैर–व्यापारिक संस्थाओं द्वारा रखी जाने वाली पुस्तकों के नाम लिखो।
Give the name of books-kept by non-trading organisations.
4. गैर व्यावसायिक संस्थाओं द्वारा बनाये जाने वाले वित्तीय विवरण कौन–2 से हैं ?
Which financial statements are prepared by non- trading organisations?
5. जब आय व्यय खाता बनाया जाता है उस समय आजीवन सदस्यता शुल्क का लेखांकन व्यवहार किस प्रकार करेंगे ?
What accounting treatment is made for life membership fees, when Income and Expenditure Account is prepared?
6. 'वसीयत से प्राप्ति' से आप क्या समझते हैं ?
What do you understand by 'Legacies?
7. अक्षय निधि कोष से आप क्या समझते हैं ?
What do you mean by Endownment-fund?
8. आय व्यय खाता बनाते समय विशिष्ट दानों का लेखांकन व्यवहार किस प्रकार करेंगे ?
What is the accounting treatment for specific donation while preparing Income and Expenditure Account?
9. ''सामान्य दान'' का आय व्यय खाते में किस प्रकार लेखा करेंगे ?
How you will deal with 'General Donation' while recording in Income and Expenditure Account?

10. आय–व्यय खाते से आप क्या समझते है ?
What do you mean by Income and Expenditure Account?
11. आय–व्यय खाता एवं अन्तिम चिठ्ठा तैयार करते समय सम्पति की बिक्री का लेखा किस प्रकार करेंगे ?
How will you treat sale of an asset while preparing Income and Expenditure Account and closing Balance Sheet?
12. ऐसी दो मदों के नाम लिखो जो प्राप्ति व भुगतान खाते में नहीं दिखाई जाती हैं।
Write the name of such two items which do not appear in Receipt and Payment Account?
13. यदि खेल आयोजन कोष ₹ 50,000 हो तथा खेल आयोजन व्यय ₹ 32,000 का हो तो आय–व्यय खाते व अन्तिम चिठ्ठे में किस प्रकार दिखायेंगे ?
If tournament fund is ₹ 50,000 and Tournament expenses are ₹ 32,000, How it is treated in Income and Expenditure Account and closing Balance Sheet?.
14. प्राप्ति व भुगतान खाता व रोकड बही में कोई दो अन्तर लिखो।
Write any two differences between Receipts and Payments Account and Cash book.
15. आय व्यय खाते की कोई दो विशेषताएं बताइये।
List any two features of an Income and Expenditure Account.

लघूत्तरात्मक प्रश्न (Short Answer type questions)

1. चन्दे की मद को एक क्लब के आय–व्यय खाता बनाते समय किस प्रकार व्यवहार करेंगे ?
How will you treat "subscription" in case of accounts of a club?
2. निम्नांकित सूचनाओं से चन्दे की राशि आय व्यय खाते में किस प्रकार दिखायेंगे ?
From the following informations, calculate amount of subscription, which will be shown in Income and Expenditure Account.

		₹
01-04-16	Subscription in Arrears बकाया चन्दा	15,000
	Subscription Received in advance प्राप्त अग्रिम चन्दा	5,000
31-03-17	Subscription in Arrears बकाया चन्दा	6,000
	Subscription Received in advance प्राप्त अग्रिम चन्दा	10,000
	Subscription received during the year 2016-17 2016–17 वर्ष के दौरान प्राप्त चन्दा	50,000

उत्तरः Subscription to be credited Income & Expenditure Account ₹ 36,000
3. निम्नांकित परिस्थिति को आय–व्यय खाते में किस प्रकार दिखायेंगे ?
How will you deal with the following case while preparing Income and Expenditure Account?

	1-4-16 ₹	31-3-16 ₹
स्टेशनरी स्टॉक Stock of Stationary	500	200
स्टेशनरी के लिए लेनदार Creditors of Stationary	300	300
स्टेशनरी हेतु अग्रिम भुगतान Advance Paid for Stationary	100	150

वर्ष के दौरान स्टेशनरी की राशि चुकाई ₹ 2,500, Amount paid for stationary during 2016-17 was ₹ 2,500.
उत्तरः ₹ 2,750
4.फर्नीचर का पुस्तक मूल्य 1-4-16 को ₹ 50,000 हैं आधा फर्नीचर प्रारम्भिक पुस्तक मूल्य से 20% हानि पर 30-09-16 को बेच दिया, फर्नीचर पर 10% वाषिक दर से मूल्य ह्रास लगाया जाता है। 31-03-2017 को बनाये जाने वाले आय–व्यय खाता एवं उस दिन के चिठ्ठे में उक्त मदों को किस प्रकार दिखाया जायेगा ?
Book-value of furniture on 1-4-16 is ₹ 50,000, Half of the furniture is sold at a loss of 20% on opening book value on 30-09-16, furniture is depreciated @ 10% p.a.? How above items will be shown in Income and Expenditure Account and in Balance Sheet on that date.
उत्तरः– Loss on sale of furniture ₹ 3,750, Depreciation ₹ 3,750, Balance sheet Furniture ₹ 22,500.
5. निम्नांकित सूचनाओं से 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के आय–व्यय खाते व उसी दिन के चिठ्ठे में एक क्लब के लॉकर किराये की मद को किस प्रकार दिखायेंगे ?
How will locker rent of a club will dealt in Income and Expenditure Account for the year ended 31st March, 2017 and balance sheet on that date?

	1-4-16 ₹	31-3-17 ₹
Out standing Locker Rent	500	700
Advance locker rent	300	400
Locker rent recieved during 16-17 ₹ 5,000		

उत्तरः ₹ 5,100 आय–व्यय खाते मे तथा अन्तिम चिठ्ठे में सम्पति पक्ष में ₹ 700 व दायित्व पक्ष में ₹ 400

6. वर्ष 2016–17 के दौरान प्राप्त चन्दा निम्नानुसार है:–

2015–16 ₹ 2,000 2016–17 ₹ 25,000 2017–18 ₹ 1,000

क्लब में ₹ 100 सदस्य है, प्रतिवर्ष ₹ 300 प्रति सदस्य चन्दा देय है। 31 मार्च 2017 के आय व्यय खाते व उसी दिन के चिठ्ठे में चन्दे को किस प्रकार दिखायेगें।

There are ₹ 100 members of a club, each paying ₹ 300, as annual subscription. How subscription will be shown in Income and Expenditure Accounts for the year ending 31st March, 2017 and in Balance Sheet on that date.

उत्तरः आय–व्यय खाते में ₹ 30,000, अन्तिम चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में ₹ 1,000, सम्पति पक्ष में ₹ 5,000

7. निम्नांकित सूचनाओं से 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के आय–व्यय खाते में एवं उसी दिन के चिठ्ठे में चन्दे की दिखाई जाने वाली राशि बताइये।

From the following informations, how subscription will be shown in Income and Expenditure Account for year ending 31st March, 2017 and in Balance Sheet on that date.

		₹
1-4-16	Subscription in arrears	1,000
	Subscription received in advance	2,000
31-3-17	Subscription in Arrears (including ₹ 500 related to 2015-16)	3,000
	Subscription received in Advance	500
	Subscription received during 2016-17	50,000

उत्तरः– Income and Expenditure Account ₹ 54,500 in credit side; Balance sheet outstanding ₹ 2,500+ 500 = ₹ 3,000 in assets side and advance ₹ 500 in liabilities side.

8. निम्नांकित सूचनाओं से 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के आय–व्यय खाता व उसी दिन के चिठ्ठे में दिखाई जाने वाली विविध व्यय की राशि बताइये।

Calculate the amount of sundry expenses which is shown in Income and Expenditure Account for the year ending 31st March, 2017 and Balance Sheet on that date from the following informations:.

	1-4-16 ₹	31-3-17₹
Prepaid sundry expenses (पूर्वदत्त विविध व्यय)	100	200
outstanding sundry expenses (बकाया विविध व्यय)	500	400
Sundry expenses paid during the year ₹ 5,000 (वर्ष के दौरान विविध व्यय चुकाये ₹ 5,000)		

उत्तरः– ₹ 4,800 in debit side of Income and Expenditure Accounts and ₹ 400 in liabilities and ₹ 200 in assets side.

9. निम्नांकित सूचनाओं से 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के आय– व्यय खाते व उसी दिन के चिठ्ठे में खेल कोष की दिखाई जाने वाली राशि ज्ञात करो

From the following informations, calculate the amount of sports fund, which will be shown in Income and Expenditure Account for the year ending 31st March, 2017 and Balance Sheet on that date.

	₹
Sports fund 1-4-16 (खेल कोष 1-4-16)	1,00,000
10% Sports fund investment 1-4-16 (10% खेल कोष विनियोग 1-4-16)	1,00,000
Received Donation for sports during the year 2016-17 (खेलों के लिए वर्ष 2016-17 में दान प्राप्त किया)	25,000
Interest on sports fund investments खेल कोष के विनियोग पर ब्याज	10,000
Expenses on sports event खेल कार्यक्रम पर व्यय	40,000

उत्तर :– Balance sheet liabilities side ₹ 9,5000, in assets side ₹ 1,00,000

10. निम्नांकित सूचनाओं से 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के आय–व्यय खाते व उसी दिन के चिठ्ठे में दिखाई

जाने वाली चिकित्सा सहायता कोष की राशि ज्ञात करो।

From the following informations Calculate the amount of medical relief fund, which will be shown in Income and Expenditure Account for the year ending 31st March, 2017 and the Balance Sheet on that date:

	₹
Opening Balance of medical relief fund चिकित्सा सहायता कोष का प्रारम्भिक शेष	2,50,000
Donation received towards sports fund during the year खेल कोष के लिए वर्ष के दौरान प्राप्त दान	70,000
Expenses paid for medical camp during the year चिकित्सा कैम्प पर वर्ष के दौरान व्यय किये।	3,50,000

उत्तर :– Income & Expenditure Account ₹ 30,000

11. निम्नांकित सूचनाओं 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के आय व्यय खाते व उस दिन बनाये जाने वाले चिठ्ठे में दिखाई जाने वाली पर्यावरण कोष की राशि ज्ञात करो।

From the following informations, calculate the amount which will be shown in Income & Expenditure Account for the year ending 31st March, 2017 with regard to Environment Fund:

	₹
Enviroment fund पर्यावरण कोष (1-4-16)	6,00,000
10% Environment fund investment 10% पर्यावरण कोष विनियोग (1-4-16)	3,00,000
Expenses incurred on ennviroment awareness during the year वर्ष के दौरान पर्यावरण जागरूकता के लिए किये गये व्यय	2,00,000
Donation received towards the enviromnent programmes वर्ष के दौरान पर्यावरण कार्यक्रम के लिए दान	50,000
Interest received from fund investment कोष में विनियोग पर प्राप्त ब्याज	25,000

उत्तर : Balance Sheet Liabilities side ₹ 4,80,000, Asset Side, ₹ 3,00,000 and Accured Interest on investment ₹ 5,000

12. निम्नांकित सूचनाओं से एक क्लब का 1 अप्रेल 2016 का पूँजी कोष ज्ञात करो।

From the following informations, calculate capital fund of a club as on 1st April 2016:

1. subscription outstanding on 1-4-16 ₹ 3,000.
2. Opening balances of assets are: Stock of stationary ₹ 5,000, Furniture ₹ 50,000, Building ₹ 20,0000 Rent paid during the year 2016-17 ₹ 6,000, it includes ₹ 1,000 of previous year. Opening cash balance ₹ 10,000

1. चन्दा बकाया 1-4-16 ₹ 3,000
2. सम्पतियों का प्रारम्भिक शेष स्टेशनरी स्टॉक ₹ 5,000, फर्नीचर ₹ 50,000, भवन ₹ 2,00,000, 2016-17 वर्ष के दौरान ₹ 6,000 रू किराया चुकाया इसमें ₹ 1,000 पिछले वर्ष का चुकाया शामिल है।
   प्रारम्भिक रोकड शेष ₹ 10,000

(**उत्तरः** Opening Capital Fund ₹ 2,67,000)

13. निम्नांकित सूचनाओं से प्राप्ति एवं भुगतान खाता 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का बनाइये।

Prepare Receipts and Payments Account for the year ending 31st March, 2017 from the following informations.

	₹
Cashin hand opening (प्रारम्भिक रोकड शेष)	10,000
Donation received (दान प्राप्त किया)	50,000
Suubscription received (चन्दा प्राप्त किया)	1,00,000
Paid for electricity bill (बिजली बिलों का भुगतान किया)	20,000
Rent ₹ 1,000 p.m., Actually paid for 11 month during the year (किराया ₹ 1,000 मासिक वर्ष के दौरान 11 माह का भुगतान किया)	
Purchases of computer in cash (कम्प्यूटर नगद में क्रय किया)	50,000
Honorarium paid (मानदेय भुगतान)	19,000

(**उत्तरः** ₹ 6,000 अन्तिम शेष)

14. निम्नांकित दशाओं में वर्ष के अन्त में आय–व्यय खाता व चिठ्ठे में प्रवेश शुल्क किस प्रकार दिखायेंगे।

(i) वर्ष के दौरान ₹ 1,00,000 का प्रवेश शुल्क प्राप्त हुआ। **(ii)** वर्ष के दौरान ₹ 50,000 प्रवेश शुल्क प्राप्त हुआ जिसमें से 40% पूँजीकृत करना है। **(iii)** वर्ष के दौरान ₹ 40,000 प्रवेश शुल्क प्राप्त हुआ इसे पूँजीकृत किया जाएगा।

In the following cases how entrance fees will be shown at the end of the year in Income and Expenditure Account and balance Sheet on that date.

(i) Entrance fees received ₹ 1,00,000 during the year **(ii)** During the year ₹ 50,000 received as entrance fees out of which 40% is to be capitalised **(iii)** During the year ₹ 40,000 received as entrance fees it should be capitalised.

उत्तरः (i) आय–व्यय खाता ₹ 1,00,000 **(ii)** आय–व्यय खाता ₹ 3,000 तथा अन्तिम चिठ्ठे के पूँजी कोष में जोडेंगे ₹ 20,000 **(iii)** अन्तिम चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में पूँजी कोष में जोडेंगे ₹ 40,000

15. एक क्लब को राज्य सरकार से भवन निर्माण के लिए ₹ 10,00,000 की सहायता 1-5-16 को प्राप्त हुई क्लब को अपनी गतिविधियों के संचालन के लिए एक अन्य संस्था द्वारा ₹ 50,000 सहायता दिनांक 1-6-16 को प्राप्त हुई है। क्लब ने भवन निर्माण 31 मार्च 2017 तक पूर्ण कर लिया है तथा इस पर ₹ 10,25,000 व्यय हुए है। उक्त व्यवहारों को 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के आय व्यय खाते व उक्त दिन के चिठ्ठे में किस प्रकार दिखायेगें।

A club received aid from state government for ₹ 10,00,000 for construction of building on 1-5-16 and from an other organisation received ₹ 50,000 aid for operating its activities on 1-6-16. The club has completed its building upto 31 March 2017 and spent ₹ 10,25,000 on it. Now the above transactions will be shown in Income and Expenditure Account for the year ending 31st March, 2017 and Balance Sheet on that date.

उत्तरः सरकार द्वारा प्राप्त सहायता चिठ्ठे के दायित्व पक्ष में पूँजी कोष में ₹ 10,00,000 जोडेंगे तथा ₹ 10,25,000 सम्पति पक्ष में भवन शीर्षक में दिखायेगें। अन्य संस्था से प्राप्त सहायता आय–व्यय खाते के आय पक्ष में दिखायेंगे। (नोटः यदि भवन अपूर्ण होता तो पृथक से भवन कोष में राशि दिखाई जाती है।)

16. निम्नांकित प्राप्ति व भुगतान खाता, आय–व्यय खाता व प्रारम्भिक चिठ्ठे से अन्तिम चिठ्ठा तैयार कीजिये।

From the following Receipts and Payments Account, Income and Expenditure Account and opening Balance Sheet, prepare closing Balance Sheet

Receipts And Payments Account
for the year ended 31st March,2017

Receipts	Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Balance b/d	5,000	By Expenses	12,000
To Subscription	20,000	By purchases of assets	10,000
To Sale from assets	5,000	By Balance c/d	8,000
	30,000		30,000

Income and Expenditure Account
for the year ended 31st March, 2017

Expenditure	Amount ₹	Income	Amount ₹
To Expenses	12,000	By Subscription	20,000
To Depreciation on assets	2,000		
To Loss on Sale of Assets	1,000		
To Excess of Income over Expenditure	5,000		
	20,000		20,000

Balance Sheet
As on 1st April, 2016

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital fund	25,000	Assets	20,000
		Cash in Hand	5,000
	25,000		25,000

उत्तरः Capital fund closing ₹ 30,000, Assets closing ₹ 22,000 (20,000-2,000-6,000+10,000), Total of Balance Sheet ₹ 30000.

निबन्धात्मक प्रश्न : (Essay type questions)

1- प्राप्ति भुगतान खाते व अन्य सूचनाओं से आय व्यय खाता बनाने की विधि उदाहरण से समझाओ।

Explain with illustration the method of preparing Income and Expenditure Account from the Receipts

and Payments Account and other informations.

2- आय प्राप्ति व भुगतान खाता किस प्रकार तैयार करेंगे।

How will you prepare Receipts and Payments Account?

3- निम्नांकित में अन्तर बताइये Differentiate the following

1. Cash book and Receipts and Payments Account रोकड़ बही एवं प्राप्ति व भुगतान खाता
2. Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account आय व्यय खाता एवं प्राप्ति व भुगतान खाता

4- आय व्यय खाते चिठ्ठे व अन्य सूचनाओं से प्राप्ति व भुगतान खाता बनाने की विधि समझाओ।

Explain the procedure of preparing Receipts and Payments Account from Income and Expenditure Account, Balance sheet and other informations.

बहुचयनात्मक प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न संख्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
उत्तरः	ब	अ	ब	अ	अ	द	स	अ	ब	स

आंकिक प्रश्न (Numerical questions):

1. निम्नांकित सूचनाओं से एक क्लब का 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का प्राप्ति व भुगतान खाता बनाइयेः–

From the following particulars of a club, Prepare the Receipts and Payments Account for the year ended 31st March, 2017

	₹
Cash in hand opening (प्रारम्भिक रोकड शेष)	1,000
Cash at bank opening (प्रारम्भिक बैंक शेष)	2,000
Subscription received (चन्दा प्राप्त किया)	30,000
Life member ship fees received (वार्षिक सदस्यता शुल्क प्राप्त)	5,000
Amount received on sale of old furniture (पुराने फर्नीचर की बिक्री से प्राप्त राशि)	6,000
7% Investment purchased (7% विनियोग क्रय किये)	15,000
Rent paid (किराया चुकाया)	500
General Expenses (सामान्य व्यय)	700
Salaries paid (वेतन चुकाया)	800
Honorarium paid (मानदेय चुकाया)	2,000
Newspapers & journals (जर्नल व समाचार पत्र)	3,000
Received from sale of old newspapers (पुराने अखबार बेचने से प्राप्त)	100
Sports material purchased (खेल सामग्री क्रय)	7,000
Wages outstanding at the end (अन्त में मजदूरी बकाया)	500
Interest on Investment received (विनियोग पर प्राप्त ब्याज)	1,050
Cash in hand (closing) रोकड़ शेष (अन्तिम)	6,000
Cash at bank (closing) बैंक शेष (अन्तिम)	?

उत्तर : ₹ 2,150

2. From the following informations related to a chartered accountant, prepare Receipts and Payments Account for the year closing 31st March, 2017.

निम्नांकित सूचनाओं की सहायता से एक चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट का 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए प्राप्ति व भुगतान खाता बनाईये।

	₹
Fees received for last year (गत वर्ष की फीस प्राप्त)	2,000
Fees received for current year (चालू वर्ष की फीस प्राप्त)	60,000
Fees outstanding for current year (चालू वर्ष की फीस बकाया)	3,000
Receipts from lectures (भाषण देने से प्राप्त)	5,000
Remuneration for assessing answer books received (उत्तर पुस्तिका का जाँच का पारिश्रमिक प्राप्त)	20,000
Dividend & interest received (लाभांश व ब्याज प्राप्त)	17,000

Honorarium received (मानदेय प्राप्त)	3,000
Payments (भुगतान)	
Salaries (वेतन)	20,000
Repairs (मरम्मत)	2,000
Printing & stationary (मुद्रण व स्टेशनरी)	3,000
Car expenses (कार व्यय)	25,000
Electricity charges (बिजली खर्च)	8,000
Rent (किराया)	18,000
Personal expenses (निजी व्यय)	4,000
Payment outstanding for purchases of furniture (फर्नीचर क्रय का भुगतान बकाया)	10,000
Opening Cash Balance (प्रारम्भिक रोकड शेष)	2,000

उत्तर :– ₹ 29,000 अन्तिम रोकड शेष

3. 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के निम्नांकित प्राप्ति व भुगतान खाते के आधार पर 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय–व्यय खाता तैयार कीजिये।

Prepare Income & Expenditure Account for the year ending 31st March, 2017, on the basis of given Receipts and Payments Account for the year ending 31March, 2017.

Receipts	Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Balance b/d	12,000	By Rent	9,000
To Entrance fees	3,000	By Salaries	6,000
To Donations	4,000	By Electricity	1,000
To Rent of Hall	6,000	By Postage	2,000
To Subscription	20,000	By Repairs	6,000
To Sale of old newspapers	1,000	By Book purchased	5,000
		By Govt. Bond purchased	4,000
		By F.D. with Bank @ 8% (1-4-16)	10,000
		By Balance c/d	3,000
	46,000		46,000

उत्तरः– आय का व्यय पर आधिक्य ₹ 10,800

4. निम्नांकित सूचनाओं से 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय व्यय खाता बनाईये।

From the following informations prepare Income and Expenditure Account for the year ended 31st march, 2017,

Receipts and Payments Account
For the year ended 31st March, 2017

Receipts		Amount ₹	Payments		Amount ₹
To balance b/d bank		15,000	By Purchases of machinery (1-7-16)		10,000
To subscription			By Salaries		8,000
2015-16	3,000		By Rent		13,000
2016-17	25,000		By Entertainment expenses		3,000
2017-18	2,000	30,000	By Purchases of 5% govt. Paper (1-10-16)		15,000
To Donations		1,06,000	By Sundry expenses		5,000
To Rent of hall		5,000	By balance c/d		
To Interest on bank deposits		2,000	Cash	7,000	
To Sale of furniture		10,000	Bank	1,07,000	1,14,000
		1,68,000			1,68,000

Additional Informations.

1- Depreciation is charged on all assets @10% p.a. **2**- Book Value of furniture on 1-4-16 ₹ 30,000, Half of furniture is sold on 30-06-16. **3**- Subscription accrued ₹ 1,000 for current year **4**- Entertainment

expenses outstanding ₹ 500 at the end. **5**- Rent is payable ₹ 1,000 per month. **6**- Donations received for construction of building.

अतिरिक्त सूचनाएं :

1. सभी सम्पतियों पर 10% वार्षिक की दर से मूल्य ह्रास लगाना है। **2**. 1-4-16 को ₹ 30,000 पुस्तक मूल्य के फर्नीचर में से आधा 30-06-16 को बेच दिया। **3**. चालू वर्ष का बकाया चन्दा ₹ 1,000 । **4**. मनोरंजन व्यय बकाया ₹ 500 । **5**. ₹ 1,000 मासिक देय किराया है। **6**. दान भवन निर्माण के लिए प्राप्त हुआ है।

उत्तर :– व्यय का आय पर आधिक्य ₹ 2,375

5. निम्नांकित सूचनाओं के आधार पर 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय– व्यय खाता व उसी दिन का चिठ्ठा बनाईये From the following informations, prepare Income and Expenditure Account for the year ending 31st March, 2017 and Balance Sheet on that date.

Receipts and Payments Account
for the year ended 31st March, 2017

Receipts	Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Balance b/d	20,000	By Balance b/d (Bank overdraft)	25,000
To Subscriptions	5,00,000	By Tournament expenses	75,000
To Hire of ground	50,000	By Upkeep of field	2,00,000
To Sale of old sports material	25,000	By Printing & stationary	40,000
To life membership fees	60,000	By Electricity expenses	12,000
To Subscription for tournament	1,20,000	By Honorarium	58,000
To Donations	10,00,000	By Grass seeds & soil	40,000
To Entrance fees	25,000	By Investments	10,00,000
		By Purchases of sports material	2,15,000
		By Balance c/d (cash)	1,35,000
	18,00,000		18,00,000

Additional Informations:

1- Balances at the beginning of the year: Sports material stock ₹ 1,40,000, Play ground ₹ 8,00,000, Subscription receivable ₹ 45,000

2- Surplus on account of tournament and donations will be kept in reserve for the pavilion purpose. subscription due at the end ₹ 70,000. It was also decided that 50% of sports material should be written off. Stock at the end of stationary ₹ 10,000. Entrance fees is to be capitalized.

अतिरिक्त सूचनाऍं :– **1**. वर्ष के प्रारम्भ में शेषः खेल सामग्री स्टॉक ₹ 1,40,000, खेल मैदान ₹ 8,00,000, बकाया चन्दा ₹ 45,000

2. टूर्नामेंट से प्राप्त आधिक्य एवं दान को पेवेलियन निर्माण हेतु संचित रखना है। वर्ष के अन्त में बकाया चन्दा ₹ 70,000, खेल सामग्री का 50% अपलिखित करना है। स्टेशनरी का अन्तिम स्टॉक ₹ 10,000 है प्रवेश शुल्क पूँजीकृत करना है।

उत्तरः– Surplus ₹ 82,500 Capital fund ₹ 9,80,000. Total of closing Balance Sheet ₹ 21,92,500.

6. नीचे दिये गये प्राप्ति व भुगतान खाता व अतिरिक्त सूचनाओं के आधार पर 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय–व्यय खाता व उसी दिन का चिठ्ठा बनाईये।

From the following Receipts and Payments Account and additional information, prepare Income and Expenditure Account for the year ending 31st March, 2017 and Balance sheet on that date.

Receipts and Payments Accounts
for the year ended 31st March, 2017

Receipts		Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Balance b/d		20,000	By Salaries & Wages	1,40,000
To Subscription			By 10% Investments (Face Value 1,50,000,	1,13,000
2015-16	8,500		Purchased on 01-10-16)	
2016-17	2,30,000		By Fate expenses	7,000
2017-18	2,500	2,41,000	By Upkeep of ground	8,000

To Donations for building	45,000	By Entertainment material	65,000
To Legacies	5,000	By Advance for building	16,000
To Saleof old furniture (at book value)	6,000	By Internet charges	1,500
To Govt. grant for construction of building	80,000	By Honorarium	2,000
		By Balance c/d	44,500
	3,97,000		3,97,000

Additional Informations:

1- On 31st March, 2016 the society has following assets & liabilities: 10% investments ₹ 1,20,000 (Face value ₹ 1,70,000), Furniture ₹ 80,000, Musical instruments ₹ 13,000, Machinery ₹ 60,000, Subscription in arrears ₹ 17,000, Creditors for entertainment material ₹ 5,000, Subscription received in advance ₹ 2,000 and building fund ₹ 50,000

2- Charge depreciation @ 20% on furniture and machinery

3- On 31st March, 2017 entertainment material was valued at ₹ 28,000. Internet charges was outstanding ₹ 1500.

4- Each year subscription is paid by 100 members, each paying ₹ 2,400.

5- Payments of entertainment material includes ₹ 2,000 for previous year.

अतिरिक्त सूचनाएँ:

1. 31 मार्च, 2016 को सोसाइटी की सम्पतियां व दायित्व इस प्रकार थे : 10% विनियोग ₹ 1,20,000 (अंकित मूल्य ₹ 1,70,000), फर्नीचर ₹ 80,000, वाद्य यंत्र ₹ 13,000, मशीनरी ₹ 60,000, बकाया चन्दा ₹ 17,000, मनोरंजन सामग्री के लिए लेनदार ₹ 5,000, अग्रिम चन्दा ₹ 2,000 तथा भवन कोष ₹ 50,000

2. फर्नीचर व मशीनरी पर 20% मूल्य ह्रास लगाईये।

3. 31 मार्च 2017 को मनोरंजन सामग्री का मूल्य ₹ 28,000, इन्टरनेट चार्जेज बकाया ₹ 1,500.

4. वार्षिक चन्दा प्रत्येक सदस्य द्वारा ₹ 2,400,100 सदस्यों द्वारा देय

5. मनोरंजन सामग्री भुगतान में ₹ 2,000 पिछले वर्ष से सम्बन्धित है।

उत्तर :– Surplus ₹ 42700, Op. Capital fund ₹ 2,53,000, Total of closing Balance Sheet ₹ 4,66,700

7- एक क्रिकेट क्लब का 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय–व्यय खाता व उसी दिन का चिठ्ठा बनाईये। रोकड बही का सारांश नीचे दिये हैं।

From the following informations relating to a cricket club, prepare Income and Expenditure Account for the year ended 31st March, 2017 and a Balance Sheet on that date. An abstract of cash book is given below: (Cash column)

	₹		₹
Subscription	10,000	Upkeep of field & pavilion	4,000
Admission fees	600	Expenseson tournament	1,400
Sale of old balls, bats	100	Rates & insurance	400
Hire of ground	600	Telephone charges	100
Drawn from bank	8,000	Stationary	200
Subscription for tournament	2,000	Generalcharges	100
Donations	20,000	Honorarium	340
		Grass seeds	60
		Bats & Balls	1,400
		Deposited into Bank	33,300
	41,300		41,300

Assets with the club on 1 April, 2016 were as under: Cash at Bank ₹ 6000, Stock of balls etc, ₹ 3000, Stationary ₹ 400, Subscription due ₹ 1000, Donations and surplus on account of tournament should be kept in reserve for a permanent pavilion. Subscription due at 31st March, 2017 amount to ₹ 1500, write off 50% of Bats and Balls Account and 25% off stationery Account. Admission fees is to be capitalized. क्लब की 1 अप्रेल 2016 की सम्पतियाँ इस प्रकार की थी: बैंक शेष ₹ 6,000, बॉल व अन्य का स्टॉक ₹ 3,000, स्टेशनरी का स्टॉक ₹ 400, चन्दा बकाया ₹ 1,000, दान व प्रतियोगिता चन्दे के आधिक्य की राशि को पेवेलियन कोष में रखनी है।

31 मार्च 2017 का बकाया चन्दा ₹ 1,500 है। बेट व बॉल खाता को 50% व स्टेशनरी खाता 25% अपलिखित करना है। प्रवेश शुल्क पूँजीकृत करना है।

उत्तरः– ₹ 3,850 Excess of Income over Expenditure, op. Capital fund ₹ 10,400, Closing Bank Balance ₹ 31,300

Total of B/s ₹ 35,450

8. एक दातव्य अस्पताल का आय–व्यय खाता 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए एवं उसी दिन का चिठ्ठा निम्नांकित सूचनाओं से बनाईये।

Prepare Income and Expenditure Account of a charitable hospital ending 31st March, 2017 and a Balance Sheet on that date from the following informations.

Receipts and Payments Account
for the year ended 31st March, 2017

Receipts	Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Balance b/d	71,300	By Doctors Honorarium	90,000
To Subscription	4,79,960	By Suppliers of medicines	3,05,900
To Donation	45,000	By Sundry Expenses	4,610
To Life membership fees	1,00,000	By Salaries & Wages	2,75,000
To Interest on investment@ 10% for 2016-17	70,000	By Machine purchase	1,50,000
		By Expenses charity show	27,500
To Proceeds from a charity show	1,04,500	By Balance c/d	17,750
	8,70,760		8,70760

Additional informations (अतिरिक्त सूचनाएँ) :

	1-4-16 ₹	31-3-17 ₹
Outstanding Salaries & wages (बकाया वेतन व मजदूरी)	36,000	48,000
Machinery (मशीनरी)	2,12,000	3,16,000
Building (भवन)	9,00,,000	8,10,000
outstanding subscription (बकाया चन्दा)	6,500	8,500
Advance subscription (अग्रिम चन्दा)	2,540	3,000
Stock of medicines (दवाइयों का स्टॉक)	89,100	98,000
Suppliers of medicines (दवाइयों के लिए लेनदार)	40,000	25,000

उत्तरः– Excess of Expenditure over Income ₹ 1,26,610, opening capital fund ₹ 19,00,360, Total of Balance Sheet ₹ 19,49,750.

9- From the following Receipts and Payments Account the year ended 31st March, 2017 and additional informations of a society, prepare Income and Expenditure Account for the year ending 31st March, 2017 and the Balance sheet for the same date. 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के प्राप्ति व भुगतान खाता व अतिरिक्त सूचनाओं से, 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय–व्यय खाता व उसी तिथि का चिठ्ठा बनाइये।

Receipts		Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Balance b/d (Cash)		15,000	By Balance b/d (Bank overdraft)	31,000
To Subscription			By Investments	30,000
2015-16	2,000		By Furniture	14,500
2016-17	1,62,000		By Salaries	62,000
2017-18	2,500	1,66,500	By Stationary	8,900
To Proceeds from charity show		20,000	By Entertainment Expenses	17,100
To Entrance fees		6,700	By Miscellaneous Expenses	14,200
To Interest on investment		4,800	By Balance c/d	
To Sale of Old Material		1,200	Cash 5,500	
			Bank 31,000	36,500
		2,14,200		2,14,200

Additional Informations:
1-The society has 1800 members paying annual fees of ₹ 100. Subscription amounting to ₹ 900 were still in arrears for 2015-16.
2-Stock of stationary at the beginning ₹ 1,250 and at the end ₹ 870,
3-Salary of ₹ 5,500 is outstanding at the end, Miscellaneous expenses ₹ 1,320 (Opening) outstanding. The society had paid ₹ 5,000 in 2015-16 out of which ₹ 1,250 related to 2016-17 for telephone expenses
4-Building ₹ 2,45,000 and investments ₹ 65,000 at the beginning of the current year, Depreciate fixed assets by 5%
5- Entrance fees to be capitalized.

अतिरिक्त सूचनाएँ

1. सोसाईटी के 1,800 सदस्य हैं प्रत्येक ₹ 100 वार्षिक चन्दा देता हैं। वर्ष 2015-16 का ₹ 900 चन्दा अभी भी बकाया है।
2. स्टेशनरी का प्रारम्भिक स्टॉक ₹ 1,250 व अन्तिम स्टॉक ₹ 870 है।
3. अन्त में ₹ 5,500 वेतन बकाया, विविध खर्चे ₹ 1,320 प्रारम्भ में बकाया थे। सोसाईटी ने 2015- 16 में ₹ 5,000 टेलीफोन व्यय चुकाये थे जिसमें से ₹ 1,250 2016-17 के थे।
4. भवन ₹ 2,45,000 विनियोग ₹ 65,000 चालू वर्ष के प्रारम्भ में थे, स्थायी सम्पतियों पर 5% मूल्य ह्रास लगाना है।
5. प्रवेश शुल्क पूंजीकृत कीजिये।

उत्तर :– आय का व्यय पर आधिक्य ₹ 85,015, प्रारम्भिक पूंजी कोष ₹ 2,98,080, चिठ्ठे का योग ₹ 3,97,795

10 .एक सोसाईटी की निम्नांकित सूचनाओं के आधार पर 1 अप्रेल 2016 का एवं 31 मार्च 2017 का चिठ्ठे तैयार कीजिये।
From the following informations of a society, prepare Balance Sheets on 1 April, 2016 and 31 March, 2017

Income and Expenditure Account
For the year ending 31-3-17

Expenditure	Amount ₹	Income	Amount ₹
To Printing	800	By Tuition fees	11,000
To Advertisement	1,500	By Membership fees	11,500
To Rent	6,000	By Sundry Income	1,300
To Salaries	12,000	By Interest	1,600
To Sundry expenses	1,100		
To Excess of Income over Expenditure	4,000		
	25,400		25,400

Receipts and Payments Account
For the year ended 31st March, 2017

Receipts		Amount ₹	Payments	Amount ₹
To Balance b/d		4,500	By Printing	750
To Interest			By Advertisement	1,410
2015-16	1,000		By Salary	13,000
2016-17	1,500	2,500	By Furniture	6,700
To Tuition Fees			By Rent	5,200
2016 -17	10,000		By Sundry Expenses	1,100
2017-18	1,000	11,000	By Balance c/d	13,740
To Entrance fees		4200		
To Membership fees				
2015-16	3,000			
2016-17	11,500			
2017-18	3,900	18,400		
To Sundry Income		1,300		
		41,900		41,900

Additional Informations: अतिरिक्त सूचनाएँ
The Following Assets were on 31st March 2016. 31 मार्च 2016 को निम्नांकित सम्पतियाँ थी ₹

Investment (विनियोग)	40,000
Furniture (फर्नीचर)	10,000
Reference Books (सन्दर्भ पुस्तकें)	5,000

उत्तर :– Opening Capital fund ₹ 63,500 and Total of opening Balance Sheet ₹ 63,500; Total of closing Balance sheet ₹ 77,540, Alternative answer: Op. Capital fund ₹ 62,500, Total of opening Balance Sheet ₹ 62,500, Total of closing Balance Sheet ₹ 76,540 (यदि वेतन की अन्तर राशि पिछले वर्ष बकाया मानी जाय)

11. एक सोसाइटी का 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय–व्यय खाता व अन्य सूचनाएं दी गई हैं। 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए प्राप्ति भुगतान खाता व उक्त तिथि का चिठ्ठा बनाइये।
Income and Expenditure Account for the year ending 31st March, 2017 and additional informations are given related to a society. Prepare Receipts and Payments Account for the year ending 31st March, 2017 and a Balance Sheet on that date.

Income and Expenditure Account
for the year ended 31st March, 2017

Expenditure		Amount ₹	Income	Amount ₹
Salaries		2,35,000	Subscriptions	2,50,000
Clinic expenses		30,000	Interest	90,000
Rent		5,000	Donations	40,000
Insurance		2,000	Sundry Receipts	3,000
Office expenses		18,000		
Depreciation				
Building	37,500			
Furniture	1,200			
Instruments	1,000	39,700		
Excess of Income over Expenditure		53,300		
		3,83,000		3,83,000

Additional Informations: अतिरिक्त सूचनाएँ

	31-3-16 ₹	31-3-17 ₹
Land & building (भूमि व भवन)	20,00,000	19,62,500
Instruments (उपकरण)	35,000	39,000
Furniture (फर्नीचर)	20,000	19,800
Govt. Securities (सरकारी प्रतिभूतियाँ)	18,00,000	18,00,000
Face Value: ₹ 20,00,000 (अंकित मूल्य ₹ 20,00,000)		
Stock of medicines (दवाईयों का स्टॉक)	3,000	1,000
Clinic Expenses (बकाया क्लिनिक व्यय)	2,000	3,000
Outstanding salaries (बकाया वेतन)	10,000	15,000
Outstanding subscription	70,000	1,00,000
Advance subscription	2,000	6,000
Cash in hand and at Bank	?	1,87,000

उत्तरः प्रारम्भिक रोकड शेष ₹ 1,18,000, प्राप्ति व भुगतान खाते का योग ₹ 4,75,000, प्रारम्भिक पूँजी कोष ₹ 40,32,000., अन्तिम चिठ्ठे का योग ₹ 41,09,300.